आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 अपनी बेटी आराध्या के लिए...

वर्ष : 26 | अंक : 295 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

पराली पर 'सुप्रीम' फटकार

पंजाब-हरियाणा सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार सख्त है। पराली के लगातार जलाये जाने से दिल्ली–एनसीआर की हवा जहरीली हो रही है। दिल्ली–एनसीआर में ग्रेप का पहला स्टेज लागू कर दिया गया है। शीर्ष अदालत ने हरियाणा सरकार को अपने पिछले आदेश का पालन नहीं करने पर फटकार लगाई। साथ ही चेतावनी दी कि अगर आदेश का पालन नहीं किया गया तो वह हरियाणा के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि राज्य सरकार पराली जलाने के लिए लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतरा रही है और लोगों पर मामूली जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ क्यों रही है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि इसरो आपको वह स्थान बता रहा है, जहां आग लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला।

पीठ ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अगर मुख्य सचिव किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं तो हम उनके खिलाफ भी समन जारी करेंगे। कुछ भी नहीं किया गया है, पंजाब के साथ भी ऐसा ही है। रवैया स्वीकार्य करने लायक नहीं है।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश दिया

"सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा द्वारा दायर हलफनामा गैर–अनुपालन से भरा है। हम निर्देश देते हैं कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) राज्य के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करे। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के मुख्य सचिव को अगले बुधवार (23 अक्टूबर) को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और यह बताने का आदेश दिया कि उल्लंघनकर्ताओं तथा सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को मिला पहला मुख्यमंत्री

उमर अब्दुल्ला ने ली सीएम पद की शपथ

- शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए राहुल-प्रियंका, अखिलेश
- 5 मंत्रियों ने ली शपथ, सुरिंदर बने डिप्टी सीएम

जम्मू–कश्मीर (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर को आज नया मुख्यमंत्री मिल गया है। उमर अब्दुल्ला आज जम्मू–कश्मीर के नए सीएम बन गये हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है।

जम्मू–कश्मीर को उमर अब्दुल्ला के रूप में पूरे 10 साल बाद नया मुख्यमंत्री मिल गया है। उनके शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव सहित INDIA ब्लॉक के कई दिग्गज शामिल हुए। इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर की नई अब्दुल्ला कैबिनेट में विधायक मंत्रियों ने भी शपथ ले ली। (शेष पृष्ठ-3 पर)

केन्द्रीय कर्मचारियों को मिलेगा दिवाली गिफ्ट!

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से जानकारी सामने आई है कि केंद्र महंगाई भत्ते में इजाफा करके कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट दे सकती है। सरकार इस बार डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकती है और अगर ऐसा होता है, तो फिर कर्मचारियों को मिलने वाला डीए बढ़कर 53 फीसदी हो जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को फिलहाल 50 फीसदी मिल रहा है और दिवाली से पहले ही सरकार इसमें 3 फीसदी का इजाफा करने के मूड में नजर आ रही है। सरकारी सूत्रों के हवाले से ये खबर सामने आई है। अगर ऐसा होता है, तो फिर डीए 53 प्रतिशत हो जाएगा और ये 1 जुलाई 2024 से लागू होगा। मतलब केंद्रीय कर्मचारियों की दिवाली और भी रोशन हो जाएगी और उनके सैलरी में बंपर इजाफा देखने को मिलेगा।

सूत्रों के मुताबिक, इस पर फैसला आज बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में हो सकता है।

ऋषिपाल दंगल आज, जुटेंगे नामी पहलवान

नोएडा (चेतना मंच)। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट नोएडा द्वारा आज विशाल दंगल का आयोजन किया जाएगा। इस दंगल में सबसे बड़ी ईनामी कुश्ती 1 लाख रूपये की होगी।

ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा पिछले 29 वर्षों से अखिल भारतीय ऋषिपाल विशाल दंगल का आयोजन किया जाता है। आज सुबह ट्रस्ट के सदस्यों ने मोरना स्थित ऋषिपाल चौक पर स्व. ऋषिपाल आर्य को श्रद्धांजलि दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हरियाणा में फिर 'नायब' सरकार

पंचकुला (हरियाणा) (एजेंसी)। हरियाणा में एक बार फिर नायब सैनी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

हरियाणा बीजेपी के विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुन लिया गया। बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में हरियाणा भाजपा विधायकों की बैठक हुई। गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव को पर्यवेक्षक बनाया गया था। दोनों बैठक में मौजूद रहे। नायब सैनी आज ही सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। वह आज राज्यपाल को सरकार बनाने का दावा पत्र सौंपेंगे।

विधायक दल की बैठक पंचकूला में बीजेपी के पंचकमल कार्यालय में हुई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बतौर पर्यवेक्षक पहुंचे। उनके साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मनोहर लाल खट्टर भी हैं।

विधायक दल की बैठक में मनोहर लाल खटटर और अनिल विज ने नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाये जाने का प्रस्ताव पेश किया जिसे सर्वसम्मति से मान लिया गया। नायब सैनी 17 अक्टूबर (कल) मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वह आज सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा प्रदूषण की रोकथाम के लिए 20 टैंकरों से शहर में जगह–जगह पानी का छिड़काव किया जा रहा है जिससे उड़ने वाली धूल पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

उत्तर प्रदेश के युवक ने कर दिया कमाल, सरकार दे रही है सम्मान

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के एक खास युवक को युवा सम्मान से सम्मानित करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश की सरकार किसी की सिफारिश पर इस युवक को सम्मानित नहीं कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस युवक द्वारा प्रदेश के युवकों को दी जा रही प्रेरणा के कारण सम्मानित करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश सरकार से पुरस्कृत होने से युवक के परिवार उसके जिले तथा पूरे उत्तर प्रदेश के युवा वर्ग का सम्मान बढ़ेगा।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के रहने वाले अमन कुमार को उत्तर प्रदेश सरकार ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के उभरते हुए युवा अमन कुमार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने वाले सर्वोच्च युवा सम्मान 'स्वामी विवेकानंद यूथ अवार्ड' के लिए चयनित किया गया है। यह पुरस्कार प्रदेश के उन युवाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया है। अमन के इस चयन से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हर्ष की लहर दौड़ गई है। अमन कुमार उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक मिसाल बन गए हैं।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की ग्राम पंचायत फैज़पुर निनाना ने अमन कुमार की इस उपलब्धि पर उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गांव में होगा सम्मान समारोह

अमन कुमार के सम्मान में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के ग्राम पंचायत फैज़पुर निनाना में जल्द ही एक विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उन्हें प्रमाण पत्र, शॉल, मेडल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के गणमान्य नागरिक भी शामिल होंगे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने यह भी जानकारी दी कि अमन के समाज सेवा और युवा विकास के कार्यों को ग्राम पंचायत की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा ताकि अन्य युवा भी उनके कार्यों से प्रेरित होकर समाज सेवा में योगदान दे सकें। उत्तर प्रदेश ग्रामीणों का कहना है कि अमन कुमार की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सच्ची लगन और कड़ी मेहनत से कोई भी अपने सपनों को साकार कर सकता है, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से आता हो। अमन की सफलता से बागपत जिले के युवाओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है, और अब उन्हें पूरे उत्तर प्रदेश में एक प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है।

नोएडा में दो फर्जी कॉल सेंटरों का भंडाफोड़

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में बैठकर अमेरिकी और अन्य विदेशी नागरिकों को ठगने वाले दो फर्जी कॉल सेंटरों का नोएडा पुलिस ने खुलासा किया है। इस फर्जी कॉल सेंटरों से अमेरिकी नागरिकों को ठगा जा रहा था। इनके कब्जे से करोड रुपए की क्रिप्टो करेंसी, लैपटॉप, मोबाइल और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। फर्जी कॉल सेंटरों से एक ही रात में करोड रुपए की ठगी की जाती थी। नोएडा पुलिस ने देर रात सेक्टर–63 के एच ब्लॉक में स्थित एक बिल्डिंग में छापा मारा और यहां से एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। इस फर्जी कॉल सेंटर से अमेरिकी नागरिकों को ठगा जा रहा था। पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर से 14 पुरूष और 5 महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

वहीं थाना फेस–3 पुलिस ने भी सेक्टर–64 में छापा मारकर एक फर्जी कॉलसेंटर का पर्दाफाश किया है। यहां से पुलिस ने 20 पुरूष व 4 लड़कियों को गिरफ्तार किया है। इनसे भी पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली एनसीआर में चुराते थे बाइक

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर–58 पुलिस ने दिल्ली–एनसीआर में बाइक चुराने वाले गिरोह के यासीन, आसिफ और विजय को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की 15 बाइक बरामद हुई हैं।

'नोएडा में ग्रेप लागू', आठ संस्थानों पर जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में बढ़ते प्रदूषण के कारण नोएडा प्राधिकरण अलर्ट मोड पर आ गया है। सोमवार को ग्रेटर नोएडा देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल था, मंगलवार को स्थिति में कुछ सुधार देखा गया। प्रदूषण नियंत्रण के लिए नोएडा में ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) की पहली स्टेज लागू कर दी गई है। इसके अनुपालन की निगरानी के लिए प्राधिकरण ने 14 टीमें गठित की हैं, जिन्होंने मंगलवार को 40 स्थानों का निरीक्षण किया और लोगों को ग्रेप के दिशा–निर्देशों से अवगत कराया।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कड़ी कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले 8 संस्थानों पर कुल 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी सुधार देखा गया है। ग्रेटर

नोएडा का एक्यूआई सोमवार के 274 से घटकर मंगलवार को 206 हो गया, जबकि नोएडा में यह 268 से 170 तक गिर गया। गाजियाबाद में भी एक्यूआई 271 से घटकर 181 हो गया है।

नोएडा प्राधिकरण के जनरल मैनेजर एसपी सिंह ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों पर 20 टैंकरों द्वारा 63.58 किलोमीटर की दूरी में शोधित जल का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा, 12 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से 340 किलोमीटर लंबे (शेष पृष्ठ-3 पर)

आठ संस्थानों पर लगाया गया जुर्माना

- सेक्टर–16 के सामने ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस के किनारे सड़क निर्माण करने वाली ठेकेदार कंपनी पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया
- फ्यूटेक गेटवे सेक्टर–75 के सामने डिवाइडर का निर्माण कार्य 50 हजार का जुर्माना लगाया गया।
- प्लाट सी–460 सेक्टर–10 औद्योगिक इकाई का निर्माण 50 हजार रुपए जुर्माना
- प्लाट डी–396 सेक्टर–10 उद्योग इकाई का निर्माण जुर्माना 50 हजार रुपए जुर्माना
- सेक्टर–117 सीवेज पंपिंग स्टेशन के सामने भूमिगत पाइप लाइन का निर्माण 50 हजार जुर्माना
- डीपीएस पब्लिक स्कूल ब्लाक सी– सेक्टर–122 निर्माण कार्य 50 हजार का जुर्माना
- पुलिस चौकी सर्फाबाद सेक्टर–72 अंडरग्राउंड केबलिंग 50 हजार का जुर्माना
- प्लाट जी–136 सेक्टर–44 भवन निर्माण कार्या 50 हजार का जुर्माना

करोड़पति नेतृत्व

राजनीति में धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनप्रतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता। आर्थिक आंकड़ों से खेलने वाली एक पूरी बिरादरी स्याह को श्वेत बनाने के खेल में पारंगत होती है। फिर करोड़पति की कोई सीमा नहीं कि उसकी संपत्ति कितने करोड़ों में है। रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिये मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिये भी आत्ममंथन का समय है कि प्रत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जिताने लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी-बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता प्रत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन-सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिये कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। बहरहाल, करोड़पतियों के जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वर्चस्व का एक निष्कर्ष साफ है कि आम आदमी के लिये चुनाव लड़ना अब दूर की कौड़ी बन गई है। यह कथन अब किताबों तक सीमित रह गया है कि जनतंत्र जनता द्वारा , जनता का और जनता के लिये होता है। कहा जाता है कि आजादी के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान का एक विधायक ऐसा भी था, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये टिकट के पैसे तक नहीं थे। तब लोगों ने उनकी मदद की। बहरहाल, हमें स्वीकार करना होगा कि भले ही राजनीति में अब धनबल व बाहुबल अपरिहार्य हो, लेकिन इस स्थिति के लिये जनमानस भी कम जिम्मेदार नहीं है। हम सोचें कि क्षेत्रवाद,संप्रदायवाद, जातिवाद और छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिये हम ऐसे प्रत्याशियों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों भेज देते हैं, जो वहां जाने लायक ही नहीं होते। हमें यह भी सोचना होगा कि मुफ्त की रेवड़ियों के अलावा चंद रुपयों व सुरा के लिये सुर बदलने वाले लोग कौन हैं? कहीं न कहीं यह हमारे सामाजिक मूल्यों के पराभव का प्रमाण भी है। जब कहते हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा होने का गौरव रखते हैं, तो यही बड़प्पन हमारे लोकतांत्रिक व्यवहार में दिखायी देना चाहिए। हमें अपने बेशकीमती वोट के दायित्व का बोध भी होना चाहिए। उसकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र पर दागी और धनाढ्य लोगों का वर्चस्व स्थापित न हो। हम ध्यान रखें कि जब करोड़पतियों के हाथ में सत्ता की बागडोर आती है तो उनकी संपत्ति अगले चुनाव तक दिन दूनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है। ऐसे जनप्रतिनिधियों का लक्ष्य अपने लिये ही नहीं बल्कि आने वाली सात पीढ़ियों के लिये धन-संपदा जुटाना होता है। जिसमें हमारी जरूरतों को पूरी करने वाली व्यवस्था के लिये आवंटित धन तथा अनैतिक तौर-तरीकों से जुटाया पैसा भी शामिल होता है। जो भ्रष्टाचार की अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। दरकते पुलों, धंसती सड़कों, बीमार अस्पतालों तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार की परिणति के रूप में देखा जा सकता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि भवानी जब पिता (दक्ष) के घर पहुँची, तब दक्ष के डर के मारे किसी ने उनकी आवभगत नहीं की, केवल एक माता भले ही आदर से मिली। बहिनें बहुत मुस्कुराती हुई मिलीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दच्छ न कछु पूछी कुसलाता। सतिहि बिलोकी जरे सब गाता॥
सतीं जाइ देखेउ तब जागा। कतहूँ न दीख संभु कर भागा॥

दक्ष ने तो उनकी कुछ कुशल तक नहीं पूछी, सतीजी को देखकर उलटे उनके सारे अंग जल उठे। तब सती ने जाकर यज्ञ देखा तो वहाँ कहीं शिवजी का भाग दिखाई नहीं दिया॥

तब चित चढ़ेउ जो संकर कहेऊ। प्रभु अपमानु समुझि उर दहेऊ॥
पाछिल दुखु न हृदयँ अस ब्यापा। जस यह भयउ महा परितापा॥

तब शिवजी ने जो कहा था, वह उनकी समझ में आया। स्वामी का अपमान समझकर सती का हृदय जल उठा। पिछला (पति परित्याग का) दु:ख उनके हृदय में उतना नहीं व्यापा था, जितना महान दु:ख इस समय (पति अपमान के कारण) हुआ॥

जद्यपि जग दारुन दुख नाना। सब तें कठिन जाति अवमाना॥
समुझि सो सतिहि भयउ अति क्रोधा। बहु बिधि जननीं कीन्ह प्रबोधा॥

यद्यपि जगत में अनेक प्रकार के दारुण दु:ख हैं, तथापि, जाति अपमान सबसे बढ़कर कठिन है। यह समझकर सतीजी को बड़ा क्रोध हो आया। माता ने उन्हें बहुत प्रकार से समझाया-बुझाया॥

(क्रमश:..)

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस

अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है। जबकि पूरे चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी।

हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। हरियाणा कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी इस बात को जानता था कि अगर उसको सत्ता मिल जाती तो इसका श्रेय प्रादेशिक नेताओं को कभी नहीं मिलता, लेकिन हार का हथोड़ा उनके सिर पर ही फोड़ा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को ज़मीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हरियाणा में लम्बे समय से सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रही थी। इसका एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेताओं ने लम्बे समय तक शासन का सुख भोगा है, इसलिए उनको सत्ता के सुख की आदत सी हो गई है। इस बार हरियाणा में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के बीच अलग से एक राजनीतिक युद्ध जैसा दिखाई दे रहा था। हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा से कम अपने ही नेताओं से ज्यादा लड़ रही थी। कहा जाता है कि किसी भी प्रकार की लड़ाई में दुश्मन तो स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो बिलकुल दोस्त जैसे ही हैं, लेकिन वे मुंह में राम बगल में छुरी रखकर चलते हैं। जहां अवसर मिलता है, वे सामने वाले के पैर खींचने का काम करते हैं। प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के बीच इसी प्रकार की दुश्मनी दिखाई दी। प्रदेश की प्रमुख महिला नेता शैलजा तो जैसे कोपभवन में ही बैठ गई थीं। वे जब सक्रिय हुई तब तक कांग्रेस बहुत प्रचार अभियान में बहुत पीछे जा चुकी थी।

हरियाणा में भाजपा की पुन: सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी।

हरियाणा की राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाए तो बहुत पहले यह परिलक्षित होने लगा था कि इस बार भाजपा की सरकार नहीं बन सकती। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के विरोध में किसान और पहलवान एक प्रकार से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए देश भर के आंदोलनों के सूत्रधार बने हुए थे, कांग्रेस चाहती तो इस वातावरण का राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस के नेता स्थिति का अध्ययन इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि वे इस बात के लिए पूरी तरह आश्वस्त हो चुके थे कि कांग्रेस की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। बस कांग्रेस यहीं बड़ी चूक कर गई और हरियाणा में कांग्रेस के सपने एक बार फिर चकनाचूर होते चले गए। ऐसे अब कांग्रेस को सिरे से चिंतन और मंथन करने की आवश्यकता है। हालांकि देश में 2014 के बाद विभिन्न प्रकार के 47 चुनाव हुए, जिसमें से 36 चुनावों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। हर पराजय के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन करने की बात की जाती है, लेकिन इस चिंतन में शीर्ष नेतृत्व पर उंगली उठाने का साहस किसी में नहीं होता। अंतत: वही होता है, जैसा राहुल गांधी चाहते हैं। वर्तमान में भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह सभी जानते हैं।

हरियाणा में भाजपा की पुन: सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को सत्ता के सिंहासन से उतार कर भाजपा ने यह संकेत तो कर ही दिया था कि भाजपा के पक्ष में सब कुछ ठीक नहीं था। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर इस माहौल को परिवर्तित करने का प्रयास किया। भाजपा का यह कदम उसके लिए संजीवनी का काम कर गया जो भाजपा के लिए जीवनदान साबित हुआ। वहीं कांग्रेस की कमजोरी यह भी रही कि वह राजनीतिक वातावरण का अध्ययन करने में चूक गई। हरियाणा में कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व गुटों में विभाजित है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा स्वयं को कांग्रेस का सर्वेसर्वा मानकर ही राजनीति करते रहे। यही कांग्रेस के आत्मघाती साबित हुआ। अब कांग्रेस के नेताओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि बदले हुए राजनीतिक हालात में राजनीति कैसे की जाती है, क्योंकि अब राजनीति परिदृश्य बदल चुका है। देश के कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ आना नहीं चाहते। राजनीतिक मज़बूरी उनको साथ बनाए हुए है।

- सुरेश हिंदुस्तानी,
वरिष्ठ पत्रकार

मलेरिया से भी गंभीर है डेंगू का डंक

भारत सहित दुनिया के देशों में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यत: डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हालांकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यत: यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंत:स्त्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईड्रेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में ड्रोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हालाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। पर एक बात साफ हो चुकी है कि डेंगू पर समय रहते रोक अभियान चलाया जाना आवश्यक है। क्योंकि डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं रह गया है। देश दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मंच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्वाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है। जमा पानी और गंदगी आदि में डेंगू मच्छर तेजी से बढ़ते हैं। जुलाई से सितंबर, अक्टूबर तक डेंगू का प्रकोप अधिक रहता है। शुरुआती दो तीन दिन तक तो जांच में पता ही नहीं चलता है। डेंगू में 3 से 7 दिन अधिक गंभीर होते हैं। प्लेटरेट्स में तेजी से गिरावट होती है। हांलाकि डेंगू के कारण मौत तुलनात्मक रुप से कम है पर डेंगू का प्रभाव क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एंटीडेंगू मच्छर शुभ संकेत माने जा सकते हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदौर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदौर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है। सवाल साफ है कि डेंगू के प्रकोप को चुनौती के रुप में लेते हुए सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी और गैरसरकारी सभी संस्थाओं को आगे आना होगा और सबसे अधिक लोगों में अवेयरनेस के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और सफाई के प्रति चेतना विकसित करनी होगी।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी और ये खर्चे अनाप-शनाप होंगे। स्वास्थ्य मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। मानसिक दबाव बना रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कोर्ट-कचहरी से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी व व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम, व्यापार भी बहुत अच्छा नहीं दिख रहा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। स्वास्थ्य मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान का साथ रहेगा। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रुओं पर विजय पाएंगे लेकिन परेशानी रहेगी। प्रेम-संतान का साथ। व्यापार भी अच्छा। पैरों में चोट-चपेट लग सकती है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृहकलह के संकेत हैं। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है। भुजाओं में दिक्कत हो सकती है। व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन-हानि के संकेत हैं। जुबान पर नियंत्रण रखें। गंदी जुबान बोलने से बचें। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। बच्चे परेशान रहेंगे। प्रेम में परेशानी रहेगी। व्यापार मध्यम गति से आगे बढ़ेगा।

कलेक्ट्रेट पर जारी है किसानों का धरना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कलेक्ट्रेट पर संयुक्त किसान मोर्चा का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा।

कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक चोटी वाला के नेतृत्व में दुष्यंत नागर गौतम अवाना और उनकी पूरी टीम ने धरने को धरना स्थल पर पहुंच कर समर्थन दिया और आश्वासन दिया कि आवश्यकता होने पर वह कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को भी धरने में लाने का कार्य करेंगे। धरने को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि किसान 10 प्रतिशत आबादी प्लाट नए कानून को लागू करने आबादियों के लीज बैक और अन्य मुद्दों पर गठित कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक किए जाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन हैं कोई कारण नहीं है कि सरकार दाखिल किए हुए दस्तावेज को सार्वजनिक ना करें।

किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि 21 फरवरी को कमेटी गठित हुई थी जिसने 31 अगस्त को अपनी रिपोर्ट दाखिल की है अब सरकार रिपोर्ट को दबाए बैठी है और जिलाधिकारी महोदय किसानों को कोई ठोस आश्वासन देने में नाकाम है।

जय जवान जय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील फौजी ने कहा कि रिपोर्ट की कॉपी लिए बिना धरना समाप्त नहीं होगा। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि आंदोलन चरणबद्ध तरीके से चल रहा है पहले चरण में प्राधिकरण से प्लाट देने का प्रस्ताव और नए कानून को लागू करने का प्रस्ताव पास कराकर शासन को अनुमोदन के लिए संदर्भित किया गया था दूसरे चरण में उपरोक्त मुद्दों पर सिफारिश देने हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय से कमेटी का गठन हुआ किसान मुस्तैद है संगठित हैं हर हाल में 10 प्रतिशत प्लाट लेकर के ही दम लेंगे। एछर किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष बृजेश भाटी ने संबोधित करते हुए कहा कि लड़ाई आर पार की है जीते बिना घर वापस नहीं जाएंगे।

धरना में शिशांत भाटी, प्रशांत भाटी, गुरप्रीत एडवोकेट, भीम सिंह, अतुल, सुरेश यादव, गबरी यादव, राम सिंह नेताजी इमलिया, निशांत रावल सुरेंद्र भाटी पप्पू ठेकेदार मनवीर भाटी खानपुर भगत सिंह चेची जोगेंद्री देवी तिलक देवी निरंकार प्रधान जयप्रकाश आर्य अनूप राघव गुरप्रीत एडवोकेट दुष्यंत सेन पवन शर्मा एवं सैकड़ों महिला पुरुष किसान उपस्थित रहे।

सपाइयों ने मनाई पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की जयंती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने चार दशकों से अधिक समय तक डीआरडीओ और इसरो में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करते हुए भारत के नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य मिसाइल के विकास को नए आयाम स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्हें बैलेस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास के कार्यों के लिए भारत में 'मिसाइल मैन' के रूप में जाना जाता है। उनकी अथक प्रयास से भारत परमाणु शक्ति बना।

इस मौके पर समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव रामशरण नागर एडवोकेट ने कि डॉ अब्दुल कलाम भारत के महान वैज्ञानिक थे, उन्होंने भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाने काम किया। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की। डॉ अब्दुल कलाम हम सब लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस मौके पर मुख्य रुप से पूर्व जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान, कृष्णा चौहान, मेंहदी हसन, युनस प्रधान, अमित रौनी, कपिल ननका, सुदेश भाटी, शशिबाला यादव, अकबर खान, विकास जतन, अनूप तिवारी, कुलदीप भाटी, गजेंद्र यादव, दीपक नागर, हैप्पी पंडित, अनीता चौहान, खुशी यादव, गौरा जाटव, अनीस अहमद, सोफिया आलम, विपिन कसाना, महेश जाटव, प्रमोद तिवारी, अबरार खान, प्रदीप यादव आदि मौजूद रहे।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में ऐलूमनी एसोसिएशन का गठन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ऐलूमनी एसोसिएशन (GBUAA) के गठन की घोषणा की है, यह नव स्थापित गैर-लाभकारी संगठन विश्वविद्यालय में वर्तमान और पूर्व छात्रों दोनों के साथ संपर्क और जुड़ाव बढ़ाएगा यह एशोसियेशन सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत कराया गया।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एलूमनी एसोसिएशन विश्वविद्यालय और उसके पूर्व छात्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होगा, जो बातचीत और जुड़ाव के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा। एशोसियेशन शैक्षिक और शोध पहलों का समर्थन करेगा, प्लेसमेंट में सहायता करेगा और विश्वविद्यालय की गतिविधियों और कार्यक्रमों में पूर्व छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा। समावेशी दृष्टिकोण के साथ, इसका उद्देश्य एक ऐसा समुदाय बनाना है जो भूतपूर्व और वर्तमान छात्रों को जोड़ता हो।

एसोसिएशन अब सभी पूर्व छात्रों से इस नेटवर्क में शामिल होने का आह्वान कर रहा है, साथ ही नए छात्रों को इस बढ़ते समुदाय का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय की विरासत को मजबूत करना और विश्वविद्यालय और उससे परे सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए समर्पित समुदाय बनाना है। विश्वविद्यालय ऐलूमनी एसोसिएशन कमेटी ने अजीत कुमार को अध्यक्ष के रूप में नामित किया है, और अन्य पदाधिकारियों में अमित कुमार झा, उपाध्यक्ष, सुनील शर्मा, सचिव, गार्गी शर्मा, उपसचिव, विक्रम सिंह, कोषाध्यक्ष और अनीशा शर्मा, विवेक सिंह, आदर्श गुप्ता, अमित कुमार यादव, कीर्ति सिंह, अर्चना भाटी, राहुल बालियान और कुमारी गिन्नी इसके संस्थापक सदस्य हैं।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा जी ने कहा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ऐलूमनी एसोसिएशन हमारे पूर्व छात्रों के साथ हमारे संबंध को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारे पूर्व छात्र हमारे विश्वविद्यालय की सफलता और प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और यह सहयोग सहयोग को बढ़ाने, हमारे छात्रों का समर्थन करने और एक अधिक संलग्न समुदाय बनाने में मदद करेगा। हम शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक प्रभाव में अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपने पूर्व छात्रों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा. विश्वास त्रिपाठी ने भी कहा कि विर्श्वविद्यालय अपने पूर्व-विद्यार्थियों के अनुभवों का लाभ उठाने के लिये इन्हें समय-समय पर आमन्त्रित कर अध्ययनरत विद्यार्थियों को वैश्विक आवश्यकताओं से परिचित कराते हुए कौशल विकास हेतु प्रशिक्षिण कार्यक्रम तथा उत्प्रेरक कार्यशालाएं आयोजित कर सकता है। इससे अध्ययनरत विद्यार्थियों में रोजगार पाने की क्षमता बढ़ेगी जो उन्हें बेहतर रोजगार दिलाने में सहायक हो सकेगी।

नव मनोनीत अध्यक्ष अजीत कुमार ने कहा कि एसोसिएशन ने अपने निकट भविष्य के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है, जिसमें मुख्य रूप से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों को एसोसिएशन में शामिल होने और विश्वविद्यालय की विरासत को मजबूत करने, विश्वविद्यालय और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए समर्पित समुदाय बनाने का निमंत्रण शामिल है।

मंदिर में हुई तोड़फोड़ घटना की निंदा की

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारत किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अब्बास हैदर रिज़वी ने छौलस मंदिर परिसर में तोड़फोड़ की घटना की निंदा की है।

उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर बहुत अच्छा और सराहनीय काम किया कुछ लोग इस घटना को सोशल मीडिया के माध्यम से भड़काना चाहते थे लेकिन पुलिस की सतर्कता और मुस्तैदी के कारण ऐसा कुछ नहीं हो पाया पुलिस प्रशासन इसके लिए बधाई का पात्र है। छौलस एक एतिहासिक गांव है आजादी से पहले और आजादी के बाद छौलस में कोई भी संप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। छौलस में सभी लोग प्यार मोहब्बत से रहते हैं। इस घटना में जो लोग शामिल हैं उन लोगों पर एनएसए के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

महापंचायत को लेकर हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की 21 अक्टूबर को जीरो प्वाइंट ग्रेटर नोएडा पर होने जा रही महापंचायत को लेकर नोएडा महानगर अध्यक्ष राजवीर मुखिया के नेतृत्व में गांव आगाहपुर के शिव मंदिर पर मीटिंग का आयोजन किया गया। नोएडा से सैकड़ों किसान महापंचायत में पहुँचेंगे। पंचायत की अध्यक्षता अनिल कुमार सिंह ने की और संचालन सुभाष भाटी शहदरा ने किया।

भाकियू भानु के राष्ट्रीय महासचिव बेगराज गुर्जर व राष्ट्रीय महामंत्री चौधरी बीसी प्रधान ने कहा नोएडा से किसान ट्रैक्टर गाड़िया सहित काफी संख्या में जीरो प्वाइंट नियर परी चौक की तरफ कूच करेंगे क्योंकि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है सरकार अपने वायदे से भाग रही है तीनों प्राधिकरण किसान विरोधी काम कर रहे है।

मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा न तो किसानों की बात सरकार सुन रही है और न ही नोएडा अथॉरिटी और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी यमुना ऑथोरिटी कोई भी सुनने को तैयार नहीं है किसान परेशान है ना तो आज तक किसानों की आबादी की समस्या हल हुई और न ही 10 परसेंट प्लॉट की समस्या हल हुई है गांवो में विकास कार्य नहीं हो रहे है। इसलिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने 21 तारीख को जीरो प्वाइंट ग्रेटर नोएडा में महापंचायत को संबोधित करेंगे जिसमें तीनों प्राधिकरण के खिलाफ आर पार की लड़ाई होगी और गरीब किसान मजदूर की बात सरकार के सामने रखेंग इस मौके पर संगठन का विस्तार भी हुआ कुणाल बेसोया को नोएडा सचिव युवा मोहित बेसोया को ग्राम अध्यक्ष बनाया गया।

इस मौके पर प्रेम सिंह भाटी ओम प्रकाश गुर्जर सुभाष भाटी जोगेंद्र चपराना पवन खारी अरविंद भाटी हरि अवाना आनंद भाटी अनिल बैसोया महेश तवर अरुण गौतम कुणाल बेसोया सुनील अवाना कमल बैसोया अनिल प्रजापति मोहित अजय अधाना चंद्रपाल सोनू अवाना सोनू कश्यप हरि अवाना इत्यादि उपस्थित रहे।

भाकियू (बलराज) का आज भी धरना जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व मै पैरामाउंट बिल्डर के खिलाफ पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों का पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट मार्केटिंग आफिस गेट पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार 56 वें दिन भी जारी रहा।

संगठन के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोसायटी निवासी रामकुमार नागर का कहना है कि पैरामाउंट बिल्डर ने सोसायटी के अन्दर मानकों के अनुरूप अवैध निर्माण कर अरबों रुपए का घोटाला किया जिसकी शिकायत बार बार प्रशासन को दी गई लेकिन कोई कार्रवाई बिल्डर के खिलाफ नही की गई सोसायटी निवासी बिल्डर के विरोध मै दो माह से धरना पर बैठे है लेकिन कोई समाधान नही हुआ जिससे क्षुब्ध होकर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) ने 21 अक्टूबर को विशाल महापंचायत बुलाई है।

संगठन की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव राष्ट्रीय संयोजक रेखा सिवाल का कहना है कि 21 अक्टूबर को होने वाली विशाल महापंचायत की जोर शोर से तैयारी चल रही है जिसमें हजारों की तादाद मै महिलाएँ हिस्सा लेगीं अबकी बार लडाई आर पार की होगी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि महापंचायत मै किसानों के मसीहा राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव एम एस पी गारंटी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह अपने कार्यकर्ताओ के साथ दलबल से पहुंच रहे है और कई प्रदेशों से किसान संगठन महापंचायत मै सम्मिलित होगें । राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी का कहना है कि संगठन के कार्यकर्ता अपने अपने जिलों मै जोरदार तैयारी मै जुटे हुए है विशाल महापंचायत मै लगभग आठ से दस हजार कार्यकर्ताओ के पहुंचने की उम्मीद है बलराज भाटी का कहना है कि प्रशासन समय रहते बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करे और अवैध निर्माणों को ध्वस्त करे अन्यथा किसान खुद अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने का काम करेंगें।

इस अवसर पर सोसायटी निवासी डाक्टर नवीन भाटी, जितेंद्र गंगवार, अरूण शर्मा, आशु चौहान, मनोज अग्रवाल, किशोर चतुर्वेदी, विनोद प्रताप, शशिभूषण मौर्या, सागर लंका, ए के उपाध्यक्ष, सहेंडर सिंह, रामलोचन चौधरी, पंकज सिसौदिया, कुशलपाल सिंह, विपिन खारी, सोनू खारी, अभिषेक यादव, आदि मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये 'खुली' ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है:-

क्रमांक-1, निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण: 20-2024-कालोनी, कार्य का नाम: विद्युत सामान्य संपत्तियों जैसे पंप, स्ट्रीट लाइटिंग, लिफ्ट और सबस्टेशन इत्यादि की निगरानी और नियंत्रण (भारतीय रेलवे मूल आईओटी आधारित उपज विश्लेषण टेलीमेट्री, रिकॉर्डिंग और नियंत्रण-आईआर-एनआईवाई एएनटीआरएसी) के लिये आई ओटी उपकरणों /इंटेलिजेंट फील्ड डिवाइस (आईएफडी) का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 1,34,25,828/-, बयाने की राशि: ₹ 2,17,100/-, ई-निविदा फार्म का मूल्य: शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से: 06 माह।

• ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 01-11-2024 समय 15:00 बजे तक। • इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें।

• यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी
मुजाधि/विद्युत-151 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पृष्ठ एक के शेष....

केन्द्र शासित जम्मू...

हालांकि, कांग्रेस ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनका कोई भी विधायक आज कैबिनेट की शपथ नहीं लेगा। यह समारोह शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (SKICC) में हुआ। आज मंत्री के रूप में सतीश शर्मा, सकीना इटू, जावेद डार, सुरिंदर चौधरी, जावेद राणा और जावेद डार ने भी शपथ ली।

ऋषिपाल दंगल आज...

ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के प्रवक्ता मनीष चौधरी ने बताया कि स्व. ऋषिपाल को श्रद्धांजलि देने वालों में उनके परिजन व परिचित शामिल थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद सेक्टर-15 में ऋषिपाल दंगल का आयोजन शुरू किया गया। मनीष चौधरी ने बताया कि दंगल में लगभग 4.50 लाख रूपये के ईनाम बांटे जाएंगे। सबसे बड़ी ईनामी कुश्ती 1 लाख रूपये की होगी। दंगल में 100 से अधिक कुश्तियां होंगी। दंगल में बालक व महिलाओं की भी कुश्ती होगी। सबसे बड़ी ईनामी कुश्ती देर शाम को होगी। इस दंगल में देश के नामी पहलवान भी हिस्सा ले रहे हैं।

'नोएडा में ग्रेप लागू'...

मुख्य मार्गों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण किया जा रहा है। सोमवार को 527 टन निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट (सी एंड डी वेस्ट) का निपटान किया गया। साथ ही, विभिन्न स्थलों और चौराहों पर 38 एंटी-स्मॉग गन मशीनें संचालित की जा रही हैं। ये सभी उपाय नोएडा में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के युवक...

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रोहित धनकड़ ने बताया, अमन कुमार ने ग्रामीण पृष्ठभूमि से उठकर जिस तरह से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बनाई है, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा है। उनकी मेहनत और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि गांव के युवाओं में भी असीम संभावनाएं होती हैं, जो उन्हें बुलंदियों तक पहुंचा सकती हैं।

रेलवे भर्ती सेल
पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

वर्ष 2024-25 के लिए खेल-कूद कोटा के अन्तर्गत भर्ती
रोजगार सूचना सं० एनईआर/आरआरसी/एसक्यू/2024-25 दिनांक: 10.10.2024

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय	15.10.2024, 10.00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय	14.11.2024, 18.00 बजे

पूर्वोत्तर रेलवे में वर्ष 2024-25 के लिए खेलकूद कोटा (खुला विज्ञापन) के अंतर्गत विभिन्न खेलों के लिए लेवल-2/3/4/5 (ग्रुप 'सी') के 21 पदों तथा लेवल-1 (पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी') के 28 पदों पर भर्ती के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।

अध्यक्ष
मुजाधि/आरआरसी-4 रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

रेलवे भर्ती सेल
पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

वर्ष 2024-25 के लिये स्काउट-गाइड कोटा के अंतर्गत भर्ती
रोजगार सूचना सं.-एनईआर/आरआरसी/एसजी/2024-25 दिनांक 12-10-2024

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि व समय: 12-10-2024, 10:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय: 11-11-2024, 18:00 बजे

वर्ष 2024-25 के लिये स्काउट-गाइड कोटा के अंतर्गत ग्रुप 'सी' (लेवल-2, छठवें वेतन आयोग के ग्रेड पे रु. 1900/-) के 03 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे-02 एवं बीएलडब्ल्यू/वाराणसी-01) तथा पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी') (लेवल-1 छठवें वेतन आयोग के ग्रेड पे रु. 1800/-) के 08 पदों (पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर, लखनऊ एवं वाराणसी मण्डलों तथा बीएलडब्ल्यू/वाराणसी, प्रत्येक में 02 पदों) के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

विस्तृत सूचना के लिये दिनांक 12-10-2024 का रोजगार समाचार तथा पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।

अध्यक्ष
मुजाधि/आर.आर.सी-03 रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा की बदल दी पूरी कहावत, देखते ही देखते 3 दोस्तों ने ऐसे खड़ी कर दी 1,700 करोड़ की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन दोस्तों ने मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। इन्होंने तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा की कहावत को गलत साबित किया है। अपनी मेहनत और संगठित प्रयास से इन तीनों ने देखते ही देखते 1,700 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर दी है। साल 2016 में विजय अरिसेट्टी, अभिषेक कुमार और श्रेयंस डागा ने मिलकर माईगेट की शुरुआत की थी। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके गेटेड कम्युनिटी में रहने के तरीके को आसान और सुरक्षित बनाता है। आइए, यहां विजय, अभिषेक और श्रेयस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। विजय अरिसेट्टी, अभिषेक कुमार और श्रेयंस डागा ने 2016 में सिक्योरिटी मैनेजमेंट स्टार्टअप माईगेट की शुरुआत की थी। उन्होंने गेटेड कम्युनिटीज के सिक्योरिटी सिस्टम में एक कमी देखी थी। उन्होंने महसूस किया कि औसतन हर घर में एक दिन में कम से कम दो से तीन लोग आते हैं। एक अकेले सिक्योरिटी गार्ड के लिए सभी लोगों को चेक करना और सही लोगों को अंदर आने देना एक चुनौती हो सकता है। इससे माईगेट का जन्म हुआ। माइगेट ऐप एंड-टू-एंड कम्युनिटी मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म ऑटोमेशन का उपयोग करके इस सेक्टर में क्रांति ला रहा है।

कोरोना के बाद तेजी से बढ़े मकानों के दाम, बड़े शहरों में कितनी उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट मार्केट में इन दिनों भारी उछाल दिख रहा है। कोरोना काल से पहले की बात करें तो तब से अब तक स्थिति काफी बदल गई है। बीते पांच साल में ही देश के टॉप 10 शहरों में प्रॉपर्टी की कीमतें काफी बढ़ गई है। इन शहरों में मकान की कीमतों में 88 फीसदी तक का उछाल आया है। इसकी जानकारी रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट से मिलती है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान गुरुग्राम में सबसे अधिक, 160 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। साल 2019 में वहां मकान की औसत कीमतें 7,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। यह साल 2024 में बढ़कर 19,500 रुपये प्रति वर्ग फुट पर पहुंच गई हैं। मतलब कि पांच साल पहले गुड़गांव में 75 लाख रुपये में 1,000 वर्ग फुट का मकान मिल जाता था। अब यह करी दो करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बीते पांच साल की अवधि के दौरान मकान की कीमतें सबसे कम मुंबई में बढ़ी है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा पांच फीसदी घटा

जियो का 23 फीसदी बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा दूसरी तिमाही में पांच फीसदी गिरकर 16,563 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले यह 17,394 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने सोमवार को बताया, उसकी कुल आय मामूली बढ़कर 2.4 लाख करोड़ रही है। कुल कर्ज बढ़कर 3.36 लाख करोड़ हो गया है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, हमारा प्रदर्शन डिजिटल सेवाओं व अपस्ट्रीम व्यवसाय में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

जियो प्लेटफॉर्म का शुद्ध मुनाफा 23.4 फीसदी बढ़कर 6,539 करोड़ रुपये रहा है। हर ग्राहक से औसत मासिक कमाई बढ़कर 195 रुपये के पार पहुंच गई है। राजस्व 18 फीसदी तेजी के साथ 31,709 करोड़ रहा।

कंपनी का मुनाफा दूसरी तिमाही में 10.5 फीसदी बढ़कर 4,235 करोड़ रुपये हो गया है। राजस्व 8.21 फीसदी बढ़कर 28,862 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों से बेहतर हैं। भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का जुलाई-सितंबर 2025 का परिचालन राजस्व बढ़कर 28,862 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की तुलना में 8.2त्न अधिक है। क्रमिक आधार पर, एचसीएलटेक के दूसरी तिमाही के शुद्ध लाभ में मामूली 0.5त्न की गिरावट आई, जबकि राजस्व में तिमाही आधार पर लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एचसीएलटेक ने 12 रुपये प्रति शेयर का एक और अंतरिम लाभांश भी घोषित किया, जिससे वित्तीय वर्ष के लिए अब तक का कुल अंतरिम लाभांश 42 रुपये प्रति शेयर हो गया।

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर, 2024 में एक फीसदी घटकर 3,56,752 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में 3,61,717 यात्री कारें बिकी थीं। हालांकि, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में 16 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले माह 20,25,993 दोपहिया वाहन बिके। सितंबर, 2023 में यह आंकड़ा 17,49,794 था। कुल तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी सात फीसदी बढ़कर 79,683 इकाई पहुंच गई। सितंबर, 2023 में 74,671 तिपहिया वाहन बिके थे।

चालू वित्त वर्ष में पांच फीसदी तक बढ़ेगी बिक्री

सियाम के अध्यक्ष शैलेष चंद्र ने कहा, त्योहारी सीजन में मजबूत प्रदर्शन के दम पर चालू वित्त वर्ष के दौरान यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3-5 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में बिक्री में 5-8 फीसदी तेजी का अनुमान लगाया गया था। चंद्रा ने कहा, मई व जून हमारी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। हालांकि, त्योहारी मांग मजबूत दिख रही है। अक्तूबर के पहले 12 दिन में वाहनों की मांग में 25 फीसदी की तेजी रही है।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के तीसरे चरण के उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए 38 कंपनियों ने आवेदन किया है। इनमें डाइकिन, वोल्टास व ब्लू स्टार सहित अन्य शामिल हैं। इससे 4,121 करोड़ के निवेश की संभावना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, अगले तीन वर्षों (2028-29 तक) में ये कंपनियां 55,877 करोड़ रुपये का उत्पादन कर सकती हैं।इससे 47,851 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में मूल्य संवर्धन 80 फीसदी तक बढ़ जाएगा।

रियल एस्टेट में इक्विटी निवेश छह साल के शीर्ष पर, 46 फीसदी बढ़ा

रियल एस्टेट में जनवरी से सितंबर के बीच इक्विटी निवेश 46 फीसदी बढ़कर 8.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। सीबीआरई के आंकड़ों के मुताबिक, 2018 के बाद यह अब तक का सर्वाधिक निवेश है। आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर साल 2018 में इक्विटी निवेश 5.8 अरब डॉलर, 2019 में 6.5 अरब डॉलर, 2020 में 6 अरब डॉलर, 2021 में 5.9 अरब डॉलर, 2022 में 7.8 अरब डॉलर और 2023 में 7.4 अरब डॉलर रहा था। घरेलू निवेशकों ने इक्विटी निवेश में लगभग 79 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बढ़त हासिल की।

जुलाई-सितंबर के बीच 25 डील

जुलाई से सितंबर के बीच रियल एस्टेट में 25 सौदे हुए हैं। इनका मूल्य 1.4 अरब डॉलर रहा है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के बाद यह सर्वोच्च स्तर है।

लोन का ईएमआई नहीं भरा तो छिन गया था मकान, लुलु ग्रुप ने लोन तो चुकाया ही, लाखों की मदद भी की

नईदिल्ली, एजेंसी। अगाध रुपये-पैसे तो बहुतों के पास होता है। लेकिन वक्त पर किसी के काम आना बहुत कम अमीरों में दिखता है। इनमें से लुलु ग्रुप के अरबपति चेयरमैन एम.ए. युसूफ अली अलग हैं। उन्होंने पिछले दिनों केरल की एक ऐसी महिला की मदद की, जो कर्ज की वजह से अपना घर गंवा चुकी थी। उनका परिवार सड़क पर आ गया था। लुलु ग्रुप ने न सिर्फ उनका लोन चुका कर मकान दिलाया बल्कि 10 लाख रुपये भी दिए ताकि उनकी गृहस्थी चल सके। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 में संध्या के परिवार ने अपना मकान बनाने के एक वित्तीय संस्थान से 4 लाख रुपये का लोन लिया था। साल 2022 में उनके जीवन ने एक कठिन मोड़ तब लिया जब संध्या के पति चल बसे। पति के जाते ही आमदनी बंद हो गई। ऐसे हालात में परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया, फिर लोन का ईएमआई कौन भरता। ईएमआई का पेमेंट रूकते ही फाइनेंस कारपोरेनशन ने फौजदारी कार्यवाही शुरू कर दी। एक दिन कंपनी ने उसके मकान पर भी कब्जा कर लिया। यही नहीं, संध्या को अपना सामान निकालने का भी मौका नहीं मिला।

हुंडई मोटर की भारतीय इकाई का आईपीओ खुला

कंपनी ने एंकर निवेशकों से पहले ही जुटाए 8,315 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आज भारतीय बाजार में आ गया। सार्वजनिक निर्गम 17 अक्टूबर 2024 तक खुला रहेगा। इसलिए, हुंडई मोटर इंडिया की आईपीओ सदस्यता इस सप्ताह मंगलवार से गुरुवार तक बोली लगाने के लिए खुली रहेगी।

ऑटो ओईएम कंपनी ने हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ का मूल्य बैंड 1865 से 1960 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, जिसका मतलब है कि सार्वजनिक निर्गम की शुद्ध आय कंपनी की बैलेंस शीट में नहीं आएगी। ऑटो कंपनी का लक्ष्य हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ से 27,870.16 करोड़ जुटाना है।

दक्षिण कोरिया वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से एक दिन पहले ही सोमवार को एंकर निवेशकों से 8,315 करोड़ रुपये जुटा लिए।

बीएसई की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक न्यू वर्ल्ड फंड इंक, सिंगापुर सरकार, फिडेलिटी फंड्स, ब्लैकरॉक ग्लोबल फंड्स, जेपी मॉर्गन फंड्स, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस जैसी कंपनियां एंकर (बड़े) निवेशकों में शामिल रही, जिन्हें शेयर आवंटित किए गए। दावा किया जा रहा है कि यह भारत का सबसे बड़ा आईपीओ होगा, जो एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपये के आईपीओ को पार कर जाएगा।

देश में जनभागीदारी से जल संग्रहण के लिए प्रधानमंत्री मोदी के महत्वाकांक्ष कैच द रैन अभियान का बिगुल फूंका

सूरत एजेंसी। जनभागीदारी से जल संचयन के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी अभियान कैच द रैन के तहत देशव्यापी जन आंदोलन शुरू करने का बिगुल रविवार को सूरत से फूंका गया। सूरत में कर्मभूमि थी जन्मभूमि पहल के तहत गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, डॉ. मोहन यादव, भजन लाल शर्मा और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने राज्यों में जल संग्रहण बढ़ाने पर विचार विमर्श किया।

सूरत को कर्मभूमि बनाते हुए वर्षों से सूरत आकर बसे राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार के व्यवसायी, उद्यमी तथा समाज के अग्रणी अपने गृहनगर में जल संरक्षण गतिविधियों में शामिल होकर बोर रिचार्ज, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन दे और

इसके लिए हमवतन लोगों को प्रेरित करे, ऐसे उम्दा उद्देश्य के साथ सूरत के अठवालाइन्स स्थित इनडोर स्टेडियम में आयोजित कर्मभूमि से जन्मभूमि कार्यक्रम में सभी ने सामूहिक रूप से मातृभूमि का ऋण चुकाने के लिए जल बचाने और इसके संग्रहण का संकल्प लिया। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में कैच द रैन प्रोजेक्ट शुरू करके बूंद-बूंद बारिश के पानी को एकत्रित करने के लिए गांव का पानी गांव में रहे ऐसी संकल्पना की थी। उन्होंने कहा कि, कैच द रैन अभियान ने पूरे देश को एक नई दिशा दी है। गुजरात में जल संचय जनभागीदारी अभियान हाल ही में सूरत से शुरू किया गया था। केंद्र सरकार संपूर्ण समाज और संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। उन्होंने इस बात की सराहना करते हुए कि, सूरत के व्यवसायियों और पेशेवरों ने कर्मभूमि में रहने और जन्मभूमि के प्रति प्रेम बनाए रखने का नेक दृष्टिकोण अपनाया है। सरकारी स्तर पर चलाए जाने वाले जल संचयन अभियान में लोगों की भागीदारी बढ़ेगी तो भूमिगत जल अवश्य बढ़ेगा। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल संचयन जनभागीदारी अभियान में जन-जन की भागीदारी को प्राथमिकता दी गई है। समग्र राज्य में 80,000 से अधिक वर्षा जल संचयन कार्यों, रिचार्ज स्ट्रक्चर्स के लिए प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, गुजरात सरकार ने निकट भविष्य में दो लाख से अधिक वर्षा जल संचयन संरचनाओं की स्थापना का लक्ष्य रखा है ।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने प्रमुख इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स द्वारा ओवरसब्सक्रिप्शन के साथ 5,000 मिलियन रुपये के क्यूआईपी के सफल समापन की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत में एक लीडिंग स्टील ट्यूब्स और पाइप्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसने प्रमुख इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स द्वारा ओवरसब्सक्रिप्शन के साथ 5,000 मिलियन क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के सफल समापन की घोषणा की है। क्यूआईपी, जो 7 अक्टूबर, 2024 (बाज़ार खुलने के बाद) को खुला और 11 अक्टूबर, 2024 को बंद हुआ, इसे 8,000 मिलियन रुपये से अधिक की बोलियाँ प्राप्त हुईं। प्रमुख योग्य इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की जबरदस्त प्रतिक्रिया, कंपनी की विकास संभावनाओं पर मज़बूत विश्वास को दर्शाती है

क्यूआईपी ने म्यूचुअल फंड और प्रसिद्ध फॉरेन इंस्टीट्यूशंस और ट्रेजरीज़ (कोषागारों) सहित शीर्ष स्तरीय इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के एक विविध समूह को आकर्षित किया, जिससे उद्योग की चुनौतियों से निपटने और ईआरडब्ल्यू (इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डिंग) स्टील ट्यूब्स और पाइप्स सेग्मेंट में बढ़ती मांग को भुनाने की हाई-टेक की क्षमता में बाज़ार के विश्वास की पुष्टि हुई।

क्यूआईपी ने मोतीलाल ओसवाल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड, एलआईसी म्यूचुअल फंड, व्हाइटओक म्यूचुअल फंड, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस जैसे प्रमुख डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशंस को आकर्षित किया। इसके अलावा, प्रमुख ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस बीओएफए सिक्योरिटीज़ यूरोप एसए, सोसाइटी जेनरल - ओडीआई, इंटुएटिव अल्फा इन्वेस्टमेंट फंड सहित अन्य ने भी क्यूआईपी में भाग लिया।

चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अजय कुमार बंसल ने कहा कि, हम क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के सक्सेसफुल क्लोजिंग की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जो हमारी ग्रोथ स्ट्रेटजी में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। इससे हम क्षमता विस्तार के अपने लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे और बाज़ार में अपनी उपस्थिति को और मज़बूत कर सकेंगे।

श्री अजय कुमार बंसल ने आगे कहा कि, मज़बूत फाइनेंशियल फ्लैक्सिबिलिटी और क्लीयर ग्रोथ ट्रेजेक्टरी (प्रक्षेपवक्र) के साथ, हम उभरते अवसरों का लाभ उठाने और स्टेकहोल्डर्स वैल्यू को और अधिक अनुकूलित करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

पूर्णकालिक निदेशक, श्री अनीश बंसल ने कहा कि, हम इश्यू को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हैं और हमारे इन्वेस्टर्स ने हम पर जो भरोसा जताया है, उसे हम बहुत महत्व देते हैं। इन फंड्स को स्ट्रेटिजिकली आवंटित करके, हमारा लक्ष्य न केवल रेवेन्यू बढ़ाना है, बल्कि पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं, कॉस्ट एफिशिएंसीज़ और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी के द्वारा लाभप्रदता भी बढ़ाना है। हम अपनी क्षमताओं को दोगुना करने की राह पर हैं और हमारा लक्ष्य अगले 3 वर्षों में अपनी क्षमताओं को 2 मिलियन टन तक बढ़ाना है। कंपनी ने क्यूआईपी के तहत 185.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की दर से 26,996,734 नए इक्विटी शेयर्स जारी किए, जो कि फ्लोर प्राइस पर 4.86त्न की छूट और 7 अक्टूबर, 2024 को एनएसई पर अंतिम कारोबार मूल्य पर 7.39त्न की छूट दर्शाता है।

हाल ही में, कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त होने वाली वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए प्रभावशाली सेल्स वॉल्यूम परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 25 की दूसरी तिमाही के लिए 123,027 मीट्रिक टन के सेल्स वॉल्यूम की सूचना दी, जो साल-दर-साल उल्लेखनीय 22.50त्न ग्रोथ का प्रतिनिधित्व करती है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए, सेल्स वॉल्यूम 245,182 मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जो सालाना 32.55त्न की उत्कृष्ट वृद्धि को दर्शाती है।

जेसीबी इंडिया ने ईंधन के मामले में सबसे किफायती ट्रैक्ड ऐक्सकैवेटर लांच किया

पुणे, एजेंसी। अर्थमूविंग और कंस्ट्रक्शन उपकरण बनाने वाली भारत में अग्रणी कंपनी जेसीबी इंडिया ने आज जेसीबी नेक्स्ट 215 एलसी फ्यूल मास्टर ट्रैक्ट ऐक्सकैवेटर को पुणे स्थित अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री में लांच किया। भारतीय बाजार में बिक्री के अलावा इस मशीन का निर्यात दुनिया भर में किया जाएगा।

जेसीबी नेक्स्ट 215 एलसी फ्यूल मास्टर को इस तरह विकसित किया गया है कि पिछले मॉडल के मुकाबले इसमें ईंधन की 14 प्रतिशत कम खपत होती है। भारत में कठिन कार्यों के लिए इसका सफल परीक्षण किया गया है और ग्राहकों की परिचालन लागत में कमी लाकर यह उत्पाद उनके लिए काफी लाभदायक साबित होगा। ईंधन की खपत में यह बचत हाइड्रोलिक्स को ऑप्टीमाइज़ कर के हासिल की गई है, जिसके लिए जेसीबी की इंटेलीफ्लो हाइड्रोलिक्स टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अब यह मशीन ऑनबोर्ड इंटरफेस स्क्रीन के जरिए और साथ ही लाइव लिंक पर ईंधन खपत का रियल-टाईम डाटा देती है, गौर तलब है कि लाइव लिंक जेसीबी का अभिनव रिमोट मॉनिटरिंग सॉल्यूशन है।

लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल ने 'सर्वश्रेष्ठ नाइसर ग्लोब उपयोगकर्ता कंपनी' पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी। स्पेशियलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल (आईसीसी) ने 2023 के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट नाइसर ग्लोब यूजर कंपनी अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार लैंक्सेस इंडिया की सुरक्षा और स्थिरता के प्रति उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, खासकर परिवहन क्षेत्र में। कंपनी ने अपने एम्पावर्ड ड्राइवर पहल के माध्यम से इन प्रयासों को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह सम्मान लैंक्सेस इंडिया को 20 सितंबर को मुंबई में आईसीसी के 59वें वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान दिया गया, जिसमें केमिकल उद्योग के कई प्रमुख लीडर्स शामिल थे। लैंक्सेस इंडिया हमेशा से अपने उद्योग में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। कंपनी ने नाइसर ग्लोब पहल की शुरुआत की है, जो परिवहन में सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में बेहतर प्रतिक्रिया के लिए बनाई गई है। लैंक्सेस ने इस पहल के तहत दूसरी केमिकल कंपनियों के साथ मिलकर सुरक्षित परिवहन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य मानकों और सेवाओं की पेशकश की है।

तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला आज से

पहले टेस्ट में गिल और जायसवाल पर नजरें, ये हो सकती है प्लेइंग 11

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट की अगली पीढ़ी के स्टार यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में अपने बेहतरीन फॉर्म को आगे ले जाना चाहेंगे। विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव में है और गिल तथा जायसवाल पर उनकी विरासत को आगे ले जाने की महती जिम्मेदारी है।

गिल ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि जायसवाल ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक जड़े हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे की कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिये आधार तैयार करना जरूरी है। गिल ने तेज गेंदबाजों की इनकमिंग गेंदों के खिलाफ परेशानी से पार पा ली है लेकिन ऐसी गेंदों पर विकेट गंवाने से बचना होगा। चेन्नई में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने उन्हें काफी परेशान किया और पवेलियन भी भेजा।

वहीं जायसवाल भी तेज गेंदबाजों को आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों को अपना विकेट दे बैठे हैं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला से पहले उन्हें तेज गेंदबाजों के सामने अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करना होगा। न्यूजीलैंड के पास भी मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी के रूप में आक्रामक तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में गिल और जायसवाल पर जिम्मेदारी और भी बढ़ जाएगी क्योंकि विराट और रोहित सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं।

रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया लेकिन बाकी 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। वहीं 9000 टेस्ट रन से 53 रन दूर कोहली ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र को संभलकर खेलना होगा जो पहले भी उन्हें परेशान कर चुके हैं।

भारत के सामने समस्याएं बड़ी नहीं है लेकिन न्यूजीलैंड को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में कई दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है। स्पिनरों के सामने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण कीवी टीम को श्रीलंका ने 2-0 से हराया। अब भारत के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खतरनाक स्पिनरों का सामना करना उनके लिए कठिन चुनौती होगा। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में भारतीय स्पिनर कहर बरपा सकते हैं। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में 11 विकेट लिए।

पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी सोच विचार करना होगा। पिछली श्रृंखला की तरह संयोजन रखने पर आकाश दीप तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ दे सकते हैं। भारत बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव या बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल को भी उतार सकता है जो निचले क्रम पर उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। यहां मौसम भी साफ नहीं रहने की भविष्यवाणी है जिससे खेल की शुरूआत देर से हो सकती है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रित बुमरा, आकाश दीप, कुलदीप यादव
न्यूजीलैंड – टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे, विल यंग, ??रचिन रविंद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, टिम साउथी (कप्तान), एजाज पटेल, मैट हेनरी
समय – सुबह 9.30 बजे से।
टीवी पर – स्पोर्ट्स18 और कलर्स सिनेप्लेक्स
लाइव स्ट्रीमिग – जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट

एचआईएल ऑक्शन के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

पाकिस्तान - इंग्लैंड दूसरा टेस्ट

शुरुआती विकेट के बाद सईम और कामरान ने पाक को संभाला; लीच ने दो विकेट लिए

मुल्तान (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मुल्तान में खेला जा रहा है। मंगलवार को दूसरे टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने लंच तक दो विकेट पर 79 रन बनाए। सईम अयूब और कामरान गुलाम नाबाद लौटें।

इंग्लैंड ने पहला मुकाबला पारी और 47 रन से जीता था। टीम तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा मुकाबला 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत – पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 15 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। अब्दुल्ला शफीक 7 रन बनाकर आउट हुए। दूसरा झटका 19 रन पर लगा। कप्तान शान मसूद 3 रन बनाकर आउट हुए। दोनों विकेट जैक लीच ने लिए। यहां से सईम और कामरान ने पाक की पारी को संभाला।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर हैः अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है। अश्विन ने वीडियो में कहा, देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है। पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो। उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें। यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी।

पाकिस्तान ने चतुर गेंदबाजी की- न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचाकर बोली कप्तान सोफी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर खुशी जाहिर की। पाकिस्तान को 56 रन से हराने के बाद सोफी ने कहा कि अभी टीम (जीत का जश्न) डूबी नहीं है। मुझे इस समूह पर बहुत गर्व है। 2016 टी20 विश्व कप में हमारा आखिरी सेमीफाइनल था। इस बीच काफी समय हो गया। हम इसका जश्न जरूर मनाएंगे। इस टूर्नामेंट में परिणाम हमारे अनुरूप नहीं रहे। लेकिन एक कप्तान के तौर पर मुझे गर्व है कि हम प्रक्रियाओं पर टिके रहे। हम अगर अपने विश्वास पर अड़े रहे तो हम दुनिया के बड़े मंच पर किसी भी टीम को हरा सकते हैं। मुझे उस समूह पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है जो इतना युवा है।

सोफी ने कहा कि पाकिस्तान ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय रूप से चतुर थी। उन्होंने सारी गति धीमी कर दी। हमसे सचमुच कड़ी मेहनत कराई। विकेट उतना खराब नहीं था। आपको रास्ते बनाने थे और पार्क के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना था। वे प्रतिभाशाली थे। 110 तक पहुंचने के बाद आप हमेशा और अधिक चाहते थे। हम जानते थे कि हमें बोर्ड पर और कुछ डालना होगा। पाकिस्तान पर गाज गिरने वाली थी। यह एक रोमांचक खेल होने वाला था। लड़कियां इस पर अड़ी रहीं। अंत में हम आगे बढ़ने में सफल रहे। बड़ी बात यह है कि हमें कल एक दिन की छुट्टी मिलेगी।

ऐसा रहा मुकाबला – पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को महज 110 रन पर रोक दिया। उम्मीद जगी कि पाकिस्तान यहां करिश्मा करती हुई नजर आएगी लेकिन ढाक के तीन पात। गेंदबाजी में बेहतर करने वाली पाकिस्तानी टीम ने बल्लेबाजी में लचर प्रदर्शन किया और 111 रन का पीछा करते हुए 56 रन बना ऑलआऊट हो गई। पाकिस्तन अगर यह मुकाबला 10.3 ओवर में जीत जाता तो उसके खुद के लिए सेमीफाइनल के चांस बन जाने थे लेकिन वह 11.4 ओवर में खुद ही 56 रन पर आलआऊट हो गई।

दोनों टीमें इस प्रकार थी-

न्यूजीलैंड एकादश – सुजी बेट्स, जॉर्जिया पलिमर, अमेलिया केर, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रुक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज (विकेट कीपर), ली ताहुहू, रोजमेरी मेयर, ईडन कार्सन और फ्रान जोनास।

पाकिस्तान एकादश– मुनीबा अली (विकेटकीपर), सिदरा अमीन, सदफ शमास, निदा डार, ओमायमा सोहेल, आलिया रियाज, फातिमा सना (कप्तान), इरम जावेद, सैयदा अरूब शाह, नशरा संधू और सादिया इकबाल।

बुमराह को उप-कप्तान बनाए जाने पर बोले रोहित

वह शुरू से हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उप-कप्तान नियुक्त किए जाने पर मंगलवार को यहां कहा कि यह तेज गेंदबाज खेल की बहुत अच्छी समझ रखता है और वह शुरू से टीम के नेतृत्व समूह का अभिन्न अंग रहा है। बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है।

चयन समिति का यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला के लिए किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया था। इससे संकेत मिलते हैं कि बुमराह भविष्य में टेस्ट टीम की कमान संभाल सकते हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले कहा, 'बुमराह ने बहुत अधिक क्रिकेट खेली है। मैं उनके साथ काफी क्रिकेट खेल चुका हूं। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं। जब आप उनसे बात करते हैं तो वह खेल को समझते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं इस बारे में अभी बहुत अधिक कुछ नहीं कह सकता क्योंकि बुमराह ने बहुत अधिक कप्तानी नहीं की है। जितना मुझे पता है उन्होंने अभी तक एक टेस्ट मैच और कुछ टी20 मैचों में कप्तानी की है। बुमराह ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत का नेतृत्व किया था। उन्हें पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत का कप्तान नियुक्त किया गया था।

रोहित ने कहा, 'बुमराह समझता है कि क्या करना जरूरी है। जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं जहां आपको एक नेतृत्वकर्ता की जरूरत महसूस होती है तो मुझे लगता है कि बुमराह उनमें से एक होंगे। इसलिए वह शुरू से हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'चाहे वह टीम में शामिल नए गेंदबाजों से बात करना हो या टीम को आगे बढ़ाने के संबंध में की जाने वाली चर्चा हो, वह हमेशा नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं।

गुजराती और दिव्या देशमुख को महाराष्ट्र सरकार ने दिया 1 करोड़ का इनाम, ओलंपियाड गोल्ड पर सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय शतरंज खिलाड़ियों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख को 2024 शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने पर 1 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की है। यह सम्मान शतरंज के क्षेत्र में उनके अद्वितीय प्रदर्शन और देश को गर्वित करने के लिए दिया गया है। इसी के साथ भारतीय महिला टीम की कप्तान और कोच, ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे और भारतीय ओपन टीम के सहायक कोच ग्रैंडमास्टर संकल्प गुप्ता को भी महाराष्ट्र सरकार द्वारा 10 लाख रुपये का इनाम दिया गया। महाराष्ट्र सरकार का यह कदम शतरंज के खिलाड़ियों को और अधिक प्रेरित करेगा और राज्य में शतरंज की संस्कृति को मजबूत करेगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस सत्र लागू नहीं होगा इम्पैक्ट प्लेयर नियम

मुम्बई (एजेंसी)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के इस सत्र से इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू नहीं होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोड (बीसीसीआई) ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इम्पेक्ट प्लेयर नियम एमएमएटी इस सीजन से ही नहीं लागू होगा। इस नियम को दो वर्ष पहले एसएमएटी में लागू किया गया था। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी इसे लाया गया। हाल में हुई घोषणा के अनुसार यह नियम आईपीएल में अगले तीन सत्र यानी की 2027 तक लागू रहेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2023 में इस नियम के आने के बाद से लगातार इसके खिलाड़ियों पर प्रभाव और मदद को लेकर पर चर्चा हो रही है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने बीते आईपीएल सत्र के दौरान इस नियम की आलोचना की थी। तब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा था कि इस नियम का यह परीक्षण का दौर है। यह अभी स्थायी नहीं है।

यह कदम न केवल... , शाहिद अफरीदी ने सीरीज के बीच शाहीन-बाबर को आराम देने पर तोड़ी चुप्पी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने अगले दो टेस्ट मैचों के लिए बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को बाहर करके कुछ बड़े फैसले लिए हैं। पाकिस्तान के सहायक कोच अजहर महमूद ने कहा है कि तीनों खिलाड़ियों को 'आराम' दिया गया है ताकि वे इस श्रृंखला के बाद होने वाले टीम के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए फिट रहें। इस फैसले का कारण चाहे जो भी हो, यह एक बड़ा फैसला है क्योंकि तीनों देश के सबसे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में से हैं। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी, जो शाहीन के ससुर हैं, ने अब इस फैसले का समर्थन किया है।

अफरीदी ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, 'बाबर, शाहीन और नसीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक देने के चयनकर्ताओं के फैसले का समर्थन करता हूं। यह कदम न केवल इन चैंपियन खिलाड़ियों के करियर को बचाने और बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि उभरती हुई प्रतिभाओं को परखने और उन्हें तैयार करने का एक शानदार अवसर भी देता है जिससे भविष्य के लिए मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार होगी।

टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली टीम बन गई है, जिसे अपनी पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद पारी की हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वाइटवॉश करने वाली पहली टीम बनने के तुरंत बाद हुआ। उस सीरीज में बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान में टेस्ट मैच जीता था। हालांकि उस परिणाम को पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब में से एक माना गया था, लेकिन उसके बाद इंग्लैंड से मिली हार को भी ऐसा ही माना गया है।

भारत का ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बीच 2034 तक ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की क्षमता रखता है। सोमवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर अकेले अमेरिका से आया है। यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष और सीईओ डॉ. मुकेश अघी के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है। हालांकि, रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। यूएसआईएसपीएफ और टीएमटी लॉ प्रैक्टिस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी चुकाना होता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। अघी ने कहा, 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रिपोर्ट में 12 प्रमुख गेमिंग बाजारों में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और टैक्सेशन पॉलिसी पर नजर डाली गई। इसमें पता चला कि सभी 12 देशों में गेम्स ऑफ चांस को लेकर अलग कानूनी परिभाषा है।

शरद पूर्णिमा को चंद्रमा पूरा नजर आने से इसे महा पूर्णिमा भी कहते हैं। चंद्रमा इस दिन 16 कलाओं से युक्त रहता है। ये कलाएं मनुष्य के लिए सुख-सिद्धि दायक एवं उन्नति कारक मानी है। सर्वार्थसिद्ध और अमृत सिद्ध का संयोग भी इस दिन बन रहा है। खरीद-फरोख्त और नए कार्य आरंभ से लेकर पूजा-पाठ, दान-पुण्य इस दिन होंगे। महंत श्री कृष्णादास के मुताबिक शास्त्रों के अनुसार इस दिन चंद्रमा की 16 कलाएं खिलती हैं। जिनमें औषधीय गुण माने हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी इसे उत्तम माना है। व्रत-उपवास के साथ लोग रात्रि में खीर बनाकर भगवान विष्णु को सबसे पहले भोग लगाते हैं। चंद्रमा का इसलिए भी महत्व है कि इसे समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में से एक मानते है।

शरद पूर्णिमा

16 कलाओं के चांद वाली पूनम रात

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं। इसे रास पूर्णिमा भी कहते हैं। ज्योतिष की मान्यता है कि संपूर्ण वर्ष में केवल इसी दिन चंद्रमा षोडश कलाओं का होता है। धर्मशास्त्रों में इस दिन कोजागर व्रत माना गया है। इसी को कौमुदी व्रत भी कहते हैं। रासोत्सव का यह दिन वास्तव में भगवान कृष्ण ने जगत की भलाई के लिए निर्धारित किया है, क्योंकि कहा जाता है इस रात्रि को चंद्रमा की किरणों से सुधा झरती है। इस दिन श्री कृष्ण को कार्तिक स्नान करते समय स्वयं (कृष्ण) को पति रूप में प्राप्त करने की कामना से देवी पूजन करने वाली कुमारियों को चीर हरण के अवसर पर दिए वरदान की याद आई थी और उन्होंने मुरलीवादन करके यमुना के तट पर गोपियों के संग रास रचाया था। इस दिन मंदिरों में विशेष सेवा-पूजन किया जाता है। इस दिन प्रातः काल स्नान करके आराध्य देव को सुंदर वस्त्राभूषणों से सुशोभित करके आवाहन, आसान, आचमन, वस्त्र, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, ताम्बूल, सुपारी, दक्षिणा आदि से उनका पूजन करना चाहिए। रात्रि के समय गौदुग्ध (गाय के दूध) से बनी खीर में घी तथा चीनी मिलाकर अर्द्धरात्रि के समय भगवान को अर्पण (भोग लगाना) करना चाहिए। पूर्ण चंद्रमा के आकाश के मध्य स्थित होने पर उनका पूजन करें तथा खीर का नैवेद्य अर्पण करके, रात को खीर से भरा बर्तन खुली चांदनी में रखकर दूसरे दिन उसका भोजन करें तथा सबको उसका प्रसाद दें।

पूर्णिमा का व्रत करके कथा सुनानी चाहिए। कथा सुनने से पहले एक लोटे में जल तथा गिलास में गेहूं, पत्ते के दोनों में रोली तथा चावल रखकर कलश की वंदना करके दक्षिणा चढ़ाए। फिर तिलक करने के बाद गेहूं के 13 दाने हाथ में लेकर कथा सुनें। फिर गेहूं के गिलास पर हाथ फेरकर मिश्राणी के पांव स्पर्श करके गेहूं का गिलास उन्हें दे दें। लोटे के जल का रात को चंद्रमा को अर्घ्य दें। शरद पूर्णिमा से ही स्नान और व्रत प्रारम्भ हो जाता है। माताएं अपनी संतान की मंगल कामना से देवी-देवताओं का पूजन करती हैं। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत समीप आ जाता है। कार्तिक का व्रत भी शरद पूर्णिमा से ही प्रारम्भ होता है। विवाह होने के बाद पूर्णिमा (पूर्णमासी) के व्रत का नियम शरद पूर्णिमा से लेना चाहिए। शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ रहता है। इस दिन आकाश में न तो बादल होते हैं। और न ही धूल-गुबार। इस रात्रि में भ्रमण और चंद्रकिरणों का शरीर पर पड़ना बहुत ही शुभ माना जाता है। प्रति पूर्णिमा को व्रत करने वाले इस दिन भी चंद्रमा का पूजन करके भोजन करते हैं। इस दिन शिव-पार्वती और कार्तिकेय की भी पूजा की जाती है। यही पूर्णिमा कार्तिक स्नान के साथ, राधा-दामोदर पूजन व्रत धारण करने का भी दिन है।

शरद पूर्णिमा की कथा

एक साहूकार की दो पुत्रियां थीं। वे दोनों पूर्णमासी का व्रत करती थीं। बड़ी बहन तो पूरा व्रत करती थी पर छोटी बहन अधूरा। छोटी बहन के जो भी संतान होती, वह जन्म लेते ही मर जाती। परन्तु बड़ी बहन की सारी संतानें जीवित रहतीं। एक दिन छोटी बहन ने बड़े-बड़े पण्डितों को बुलाकर अपना दुख बताया तथा उनसे कारण पूछा। पण्डितों ने बताया-तुम पूर्णिमा का अधूरा व्रत करती हो, इसीलिए तुम्हारी संतानों की अकाल मृत्यु हो जाती है। पूर्णिमा का विधिपूर्वक पूर्ण व्रत करने से तुम्हारी संतानें जीवित रहेंगी। तब उसने पण्डितों की आज्ञा मानकर विधि-विधान से पूर्णमासी का व्रत किया। कुछ समय बाद उसके लड़का हुआ, लेकिन वह भी शीघ्र ही मर गया। तब उसने लड़के को पीढ़े पर लेटाकर उसके ऊपर कपड़ा ढक दिया। फिर उसने अपनी बड़ी बहन को बुलाया और उसे वही पीढ़ा बैठने को दे दिया। जब बड़ी बहन बैठने लगी तो उसके वस्त्र बच्चे से छूते ही लड़का जीवित होकर रोने लगा। तब क्रोधित होकर बड़ी बहन बोली-तू मुझ पर कलंक लगाना चाहती थी। यदि मैं बैठ जाती तो लड़का मर जाता। तब छोटी बहन बोली- यह तो पहले से ही मरा हुआ था। तेरे भाग्य से जीवित हुआ है। हम दोनों बहनें पूर्णिमा का व्रत करती हैं तू पूरा करती है और मैं अधूरा, जिसके दोष से मेरी संतानें मर जाती हैं। लेकिन तेरे पुण्य से यह बालक जीवित हुआ है। इसके बाद उसने पूरे नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया कि आज से सभी पूर्णिमा का पूरा व्रत करें, यह संतान सुख देने वाला है।

शरद पूर्णिमा की रात क्यों खाते हैं खीर?

इस बार 16 अक्टूबर, बुधवार को शरद पूर्णिमा का पर्व है। शरद पूर्णिमा पर खीर खाने की परंपरा भी है। इस प्रथा के पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व दोनों ही हैं। शरद पूर्णिमा की रात चांद अपनी पूरी सुंदरता बिखेरता है। इस रात चांद से निकलने वाली शीतल किरणें हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस रात चांद से अमृत बरसता है। इस रात खूले आसमान के नीचे खीर बनाई जाती है। चांद से निकलने वाली किरणें सीधे खीर पर पड़ती है।

चांद की किरणों के प्रभाव से खीर में औषधीय गुण शामिल हो जाते हैं। इस खीर को खाने से सांस संबंधी बीमारियों में राहत मिलती है। दमा रोगियों के लिए यह खीर अमृत समान ही होती है इसीलिए कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर दमा रोगियों के लिए खीर बनाई जाती है।

शरद पूर्णिमा पर करें लक्ष्मी की उपासना

शरद पूर्णिमा की रात को सबसे उज्जवल चांदनी छिटकती है। चांद की रोशनी में सारा आसमान धुला नज़र आता है। ऐसा लगता है मनो बरसात के बाद प्रकृति साफ और मनोहर हो गयी है। माना जाता है कि इसी धवल चांदनी में मां लक्ष्मी पृथ्वी भ्रमण के लिए आती हैं। शास्त्रों के अनुसार शरद पूर्णिमा की मध्य रात्रि के बाद मां लक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर बैठकर धरती के मनोहर दृश्य का आनंद लेती हैं। साथ ही माता यह भी देखती हैं कि कौन भक्त रात में जागकर उनकी भक्ति कर रहा है। इसलिए शरद पूर्णिमा की रात को कोजागरा भी कहा जाता है। कोजागरा का शाब्दिक अर्थ है कौन जाग रहा है। मान्यता है कि जो इस रात में जगकर मां लक्ष्मी की उपासना करते हैं मां लक्ष्मी की उन पर कृपा होती है। शरद पूर्णिमा के विषय में ज्योतिषीय मत है कि जो इस रात जगकर लक्ष्मी की उपासना करता है उनकी कुण्डली में धन योग नहीं भी होने पर माता उन्हें धन-धान्य से संपन्न कर देती हैं।

शरद पूर्णिमा का महत्व

ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसलिए देश के कई हिस्सों में शरद पूर्णिमा को लक्ष्मी पूजन किया जाता है। द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ तब मां लक्ष्मी राधा रूप में अवतरित हुई। भगवान श्री कृष्ण और राधा की अद्भुत रासलीला का आरंभ भी शरद पूर्णिमा के दिन माना जाता है। शैव भक्तों के लिए शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कुमार कार्तिकेय का जन्म भी शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसी कारण से इसे कुमार पूर्णिमा भी कहा जाता है। पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में इस दिन कुमारी कन्याएं प्रातः स्नान करके सूर्य और चन्द्रमा की पूजा करती हैं। माना जाता है कि इससे योग्य पति प्राप्त होता है।

औषधियों गुणों से भरपूर होती है शरद पूर्णिमा की चांदनी

चंद्रमा मन का कारक है और उसकी चांदनी शीतलता पहुंचाती है। लेकिन यही चांदनी मानव के स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाती है। मानव के अवगुणों को मिटाने के लिए भी चंद्रमा की चादनी सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। वर्ष की चार सर्वश्रेष्ठ पूर्णिमाओं में एक मानी जाने वाली शरद पूर्णिमा सबसे अधिक लाभदायक है। 18 अक्टूबर को आर्श्विन पूणिर्मा के दिन शरद पूर्णिमा है। पंडित विष्णु सरस बताते हैं कि पौराणिक कथाओं के अनुसार शरद पूर्णिमा पर भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ रासलीला की थी और इसी दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से सुसज्जित होकर धरती को पूर्णतया प्रकाशमय कर देता है। उनके मुताबिक कालरात्रि, शिवरात्रि,दारूण रात्रि एवं मोह रात्रि यह चार रात्रि होती है जिनमें शरद पूर्णिमा को मोह रात्रि भी कहा जाता है।

औषधि पूर्ण होती है चांदनी

शरद पूर्णिमा के दिन चांद की चांदनी औषधीय गुणों से सराबोर होती है। इस बारे में आयुर्वेदाचार्य राहुल चक्रवर्ती बताते हैं कि जिस प्रकार सूर्य की रोशनी शरीर को रोगमुक्त बनाती है। उसी प्रकार चांद की चांदनी भी इस दिन शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी होती है। इस दिन की चांदनी में औषधीय तत्वों का समावेश होता है। इस दिन चांदनी में जरूर बैठना चाहिए।

इस दिन चंद्रमा को यदि एकटक त्राटक रेखा में देखा जाए तो आंखों का बहुत अच्छा अभ्यास होता है। इस दिन चंद्रमा की रोशनी में सुई में धागा डालने से भी नेत्रों की ज्योति बढ़ती है।

जरूर खाएं चांदनी की खीर

पं.महेश चंद वशिष्ठ बताते हैं कि शरद पूर्णिमा की औषधीय गुणों की चांदनी के कारण इस दिन खीर बनाकर चांदनी में रखना चाहिए और सवेरे उसे अवश्य खाना चाहिए। यह शरीर के लिए काफी लाभकारी होती है।

शरद पूर्णिमा का शास्त्रों में महत्व

पौराणिक मान्यताएं एवं शरद ऋतु, पूर्णाकार चंद्रमा, संसार भर में उत्सव का माहौल। इन सबके संयुक्त रूप का यदि कोई नाम या पर्व है तो वह है शरद पूनम। वह दिन जब इंतजार होता है रात्रि के उस पहर का जिसमें 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा अमृत की वर्षा धरती पर करता है। वर्षा ऋतु की जरावस्था और शरद ऋतु के बाल रूप का यह सुंदर संजोग हर किसी का मन मोह लेता है। प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है। इसके महत्व और उल्लास के तौर-तरीकों के संबंध में ज्योतिषाचार्य प्रेमनारायण शास्त्री के अनुसार शरद पूनम का महत्व शास्त्रों में भी वर्णित है। वे बताते हैं कि इस रात्रि को चंद्रमा अपनी समस्त कलाओं के साथ होता है और धरती पर अमृत वर्षा करता है। रात्रि 12 बजे होने वाली इस अमृत वर्षा का लाभ मानव को मिले इसी उद्देश्य से चंद्रोदय के वक्त गगन तले खीर या दूध रखा जाता है जिसका सेवन रात्रि 12 बजे बाद किया जाता है। मान्यता तो यह भी है कि इस तरह रोगी रोगमुक्त भी होता है। इसके अलावा खीर देवताओं का प्रिय भोजन भी है। शरद पूर्णिमा को कोजागौरी लोक्खी (देवी लक्ष्मी) की पूजा की जाती है। चाहे पूर्णिमा किसी भी वक्त प्रारंभ हो पर पूजा दोपहर 12 बजे बाद ही शुभ मुहूर्त में होती है। पूजा में लक्ष्मीजी की प्रतिमा के अलावा कलश, धूप, दुर्वा, कमल का पुष्प, हर्तकी, कौड़ी, आरी (छोटा सूपड़ा), धान, सिंदूर व नारियल के लड्डू प्रमुख होते हैं। जहां तक बात पूजन विधि की है तो इसमें रंगोली और उल्लू ध्वनि का विशेष स्थान है।

शरद पूर्णिमा की रात जागने पर मिलेगा धन!

शरद पूर्णिमा अर्थात कोजागरी व्रत आश्विन शुक्ल मध्य रात्रि व्यापिनी पूर्णिमा में किया जाता है। ज्योतिषिय नियमों के अनुसार इसी दिन चन्द्र अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है। कुछ क्षेत्रों में इस व्रत को कौमुदी व्रत भी कहा जाता है। इस दिन के संदर्भ में एक मान्यता प्रसिद्ध है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ महारास रचा था। इस दिन चन्द्रमा कि किरणों से अमृत वर्षा होने की मान्यता प्रसिद्ध है। इसी कारण इस दिन खीर बनाकर रात्रि काल में चन्द्र देव के सामने चांदनी में व मां लक्ष्मी को अर्पितकर अगले दिन प्रातः काल में ब्रह्मण को प्रसाद वितरण व फिर स्वयं प्रसाद ग्रहण करने का विधि-विधान है। इस दिन एरावत पर आरूढ़ हुए इन्द्र व महालक्ष्मी का पूजन किया जाता है। इससे अवश्य ही लक्ष्मी और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस दिन मनुष्य विधिपूर्वक स्नान करके उपवास रखे और जितेन्द्रिय भाव से रहे। मां लक्ष्मी की प्रतिमा को स्थापित कर भिन्न-भिन्न उपचारों से उनकी पूजा करें, तदनंतर सायंकाल में चन्द्रोदय होने पर घी के 100 दीपक जलाए। इस रात्रि की मध्यरात्रि में देवी महालक्ष्मी अपने कर-कमलों में वर और अभय लिए संसार में विचरती हैं और मन ही मन संकल्प करती हैं कि इस समय भूतल पर कौन जाग रहा है? जागकर मेरी पूजा में लगे हुए उस मनुष्य को मैं आज धन दूंगी।स प्रकार यह शरद पूर्णिमा, कोजागर व्रत लक्ष्मीजी को संतुष्ट करने वाला है। इससे प्रसन्न हुई मां लक्ष्मी इस लोक में तो समृद्धि देती ही हैं और शरीर का अंत होने पर परलोक में भी सद्गति प्रदान करती हैं।

रितेश हैं 2024 के सबसे खूबसूरत शाकाहारी सेलिब्रिटी, पेटा इंडिया द्वारा पुरस्कार

उनकी दयालु जीवनशैली और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए, बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख को पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया द्वारा 2024 का सबसे खूबसूरत शाकाहारी सेलिब्रिटी नामित किया गया है। स्क्रीन पर अपनी करिश्माई उपस्थिति के लिए जाने जाने वाले, रितेश ने जानवरों और नैतिक विकल्पों के लिए अपनी वकालत के माध्यम से ऑफ-स्क्रीन भी उतनी ही धूम मचाई है। पौधों पर आधारित जीवन शैली का पालन करने वाले देशमुख, जो पौधों पर आधारित जीवन शैली के एक उत्साही समर्थक हैं, ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख के साथ इमेजिन मीट्स की सह-स्थापना की। कंपनी ने अपने स्वादिष्ट पौधों पर आधारित विकल्पों के लिए व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, जो क्रूरता-मुक्त भोजन को बढ़ावा देने के विकल्प प्रदान करता है। ब्रांड के शाकाहारी चिकन नगेट्स को पहले पेटा इंडिया के सर्वश्रेष्ठ शाकाहारी मांस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिससे दयालु भोजन की दुनिया में इसकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई।

पशु कल्याण और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बोलते हुए, देशमुख ने कहा, क्रूरता मुक्त जीवनशैली जीना न केवल जानवरों की मदद करने के बारे में है, बल्कि हमारे ग्रह की रक्षा करने के बारे में भी है। प्रत्येक पौधे-आधारित भोजन के साथ, हम एक सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, और यह कुछ ऐसा है जिसमें हम सभी योगदान कर सकते हैं। मैं पेटा द्वारा न केवल हमारे पर्यावरण के लिए क्रूरता-मुक्त जीवन के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बल्कि एक बेहतर इंसान बनने के लिए हमारे मन में करुणा पैदा करने के प्रयास की सराहना करने के लिए भी समय निकाल रहा हूं।

अपने पाककला उद्यमों के अलावा, रितेश स्थायी जीवन और जानवरों के प्रति करुणा के लाभों को बढ़ावा देने के लिए अपने मंच का उपयोग करते हैं। अपने सोशल मीडिया और साक्षात्कारों के माध्यम से, वह लाखों लोगों को शाकाहारी विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। देशमुख के प्रयास सिर्फ आहार के बारे में नहीं हैं; वे पशु कल्याण पर दृष्टिकोण को नया आकार देने और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने के बारे में भी हैं।

पेटा इंडिया में सेलिब्रिटी और जनसंपर्क के उपाध्यक्ष सचिन बंगेरा ने कहा, फिल्मों में अपने काम से लेकर पशु अधिकारों की वकालत तक, रितेश देशमुख ने लगातार खुद को एक दयालु सुपरस्टार साबित किया है। उन्होंने आगे कहा, अपने जीवन के हर पहलू में दयालुता को चुनकर, रितेश दिखा रहे हैं कि किसी व्यक्ति के बारे में सबसे खूबसूरत बात यह है कि वे दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं - जिसमें जानवर भी शामिल हैं।

श्रद्धा के लिए फैशन सादगी और कम्फर्ट का नाम

2010 में तीन पत्ती से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली श्रद्धा कपूर ने अपनी फैशन यात्रा का राज बताया है। उनके मुताबिक ये उनकी खोज और फिर उनमें कुछ बेहतर करने की ललक पर आधारित है। लेबल कल्कि के लिए शो स्टॉपर रही श्रद्धा ने बताया, मेरे डेब्यू के बाद से, मेरी फैशन यात्रा एक्सप्लोरेशन और रिफाईनमेंट की रही है। शुरू में, मैंने यह पता लगाने के लिए विभिन्न शैलियों के साथ प्रयोग किया कि मेरे लिए सबसे उपयुक्त क्या है। समय के साथ, मैंने शैली की एक अधिक परिभाषित समझ विकसित की है, ऐसे आउटफिट्स का चयन करती हूं जो मेरे व्यक्तित्व और मेरी भूमिकाओं के अनुरूप हों।

इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में श्रद्धा ने शाहरुख खान, सलमान खान, प्रियंका चोपड़ा जोनास, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर खान जैसी कई हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। इंस्टाग्राम पर इनके 93.6 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने ट्रेडिशनल और कंटेम्परेरी लुक के बीच संतुलन बनाना सीखा है। उन्होंने कहा, मैंने पारंपरिक और समकालीन दोनों तरह के लुक को अपनाना सीखा है और अपने कपड़ों को अपने व्यक्तिगत और पेशेवर ग्रोथ के हिसाब से ढाला है। दिग्गज अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा के लिए फैशन सादगी और उसे रिफाइन करने के मिश्रण का नाम है। उन्होंने कहा, मैं अपने फैशन सेंस को सादगी और रिफाईनमेंट के मिश्रण के रूप में वर्णित करूंगी। मैं ऐसे मिनिमलिस्ट डिजाइन की ओर आकर्षित होती हूं जिसमें बारीकी पर ध्यान दिया जाए। मेरे लिए कम्फर्ट जरूरी है, लेकिन मैं अपने लुक को नया और वर्सेटाइल बनाए रखने के लिए अलग-अलग स्टाइल के साथ प्रयोग करना भी पसंद करती हूं। अभिनेत्री इस बात से सहमत हैं कि फिल्मों में काम करने से उनके पहनावे पर असर पड़ता है। कहती हैं, बिल्कुल, मेरी फिल्मी भूमिकाओं ने मेरे फैशन विकल्पों को प्रभावित किया है। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, वो स्टाइल के बारे में एक नया नजरिया पेश करता है और मैं अक्सर अपनी भूमिकाओं के तत्वों को अपनी व्यक्तिगत अलमारी में शामिल करती हूं। लोगों की नज़रों में आने से श्रद्धा अपने फैशन स्टेटमेंट के बारे में ज़्यादा जागरूक हो गई हैं, जिससे उन्हें ऐसे आउटफिट चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो मेरे दर्शकों को पसंद आए और मेरी उभरती हुई छवि को दर्शाएं। 2010 में अपने डेब्यू के बाद से ही श्रद्धा ने बागी, आशिकी 2, एक विलेन, हैदर, छिछोरे, स्त्री और तू झूठी मैं मक्कार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। श्रद्धा मानती हैं कि फिल्मों का फैशन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अभिनेत्री ने कहा, दर्शक अक्सर प्रेरणा के लिए सिनेमा की ओर देखते हैं और स्क्रीन पर दिखाए जाने वाले स्टाइल मुख्यधारा के फैशन को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, किसी फिल्म का कोई खास आउटफिट या हेयरस्टाइल एक लोकप्रिय ट्रेंड बन सकता है। उन्होंने साझा किया- अभिनेताओं के रूप में, हमारे पास डिजाइनरों और स्टाइलिस्टों के साथ मिलकर ऐसे लुक बनाने का अवसर है जो न केवल हमारे किरदारों को निखारें बल्कि दर्शकों को भी प्रेरित करें। अभिनेत्री ने कल्कि लेबल के लिए मुश्क नामक उनके कलेक्शन के लिए कैटवॉक किया। कलेक्शन में कढ़ाई वाले जैकेट, चौड़े बॉटम्स और लहंगे शामिल हैं। श्रद्धा ने शानदार गुलाबी लहंगा पहना था जिसमें बारीक बनारसी काम था। बताया गया कि ये 350 घंटे में बनकर तैयार हुई। श्रद्धा ने कहा कि कल्कि के डिजाइन उनकी सोच से मेल खाते हैं। इसमें आधुनिकता है तो स्टाइल भी।

लैक्मे फैशन वीक में मिस वर्ल्ड मानुषी ने बटोरीं सुर्खियां

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने फैशन उद्योग में धूम मचा दी है, हाल ही में एक्ट्रेस ने प्रतिष्ठित लैक्मे फैशन शो में रैंप वॉक किया। वह डिजाइनर ऋषि और विभूति के लिए एक आकर्षक प्रेरणा बनी। मानुषी छिल्लर ऑलिव ग्रीन फुल लेंथ स्कर्ट के साथ मैचिंग ब्लाउज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। स्कर्ट में एक प्रभावशाली थाई स्लिट और हरे और गुलाबी रंगों में ध्यान देने योग्य फूलों डिजाइन थे। उसकी कलाइयों पर फूलों की सजावट ने नाटकीयता का स्पर्श जोड़ दिया! मानुषी छिल्लर ने अपने आत्मविश्वास भरे कदम और आकर्षण से दर्शकों को चकित कर दिया, और फैशन की दुनिया में एक मिसाल साबित हुईं। जैसे ही वह रैंप पर उतरीं, उनकी अविस्मरणीय उपस्थिति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फैशन क्षेत्र से परे, ब्यूटी क्वीन अपनी आगामी थिएट्रीकल रिलीज के साथ दिल चुराने के लिए पूरी तरह तैयार है। मानुषी तेहरान के लिए तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। हाल ही में, उन्होंने शहर में एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम में ट्रेलब्लेजिंग स्टार ऑफ द ईयर पुरस्कार का सम्मान प्राप्त करके अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली। इस बीच, वह दिलचस्प परियोजनाओं की एक श्रृंखला के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए भी उत्सुक हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही की जाएगी।

The GOAT की ब्लॉकबस्टर सफलता को कुछ यूं थलपति विजय ने किया सेलिब्रेट

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय ने वेंकट प्रभु की ओर से निर्देशित फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की सफलता का जश्न मनाया. निर्माता अर्चना कल्पथी के साथ केक काटते हुए अभिनेता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. फिल्म ने पूरे वर्ल्डवाइड धुआंधार कमाई की थी. फैंस को तलपति के एक्शन सीन्स और डायलॉग्स काफी पसंद आए. इस मूवी को क्रिटिक्स ने भी काफी अच्छे रिव्यू मिले थे. 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद गृह राज्य तमिलनाडु में फिल्म द GOAT ने 215 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसके बाद जश्न मनाना तो बनता ही था. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर 455 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है. इस कलेक्शन के साथ, लियो के बाद GOAT विजय की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की.

अजय नहीं, काजोल हैं असली सिंघम

रोहित शेट्टी की सिंघम फ्रेंचाइजी में अजय देवगन पुलिस ऑफिसर के रूप में दर्शकों के बीच में खूब छाए हैं। उनके फैंस अब उन्हें सिंघम नाम से ही पुकारते हैं। लेकिन, अब काजोल ने दावा किया है कि असली सिंघम अजय देवगन नहीं, बल्कि वे खुद हैं। दरअसल, काजोल की फिल्म दो पत्ती इस महीने आने वाली है, जिसमें वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगी। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में काजोल ने दावा किया कि असली सिंघम वो हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में काजोल रेड कलर के आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं। इस दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म पर बात करने के दौरान मजाकिया अंदाज में कहा, मैंने हर स्टेज पर कहा है और पहले भी कहा है कि असली सिंघम....और इसके बाद उन्होंने अपनी ओर इशारा किया। काजोल की इस बात पर जमकर तालियां बजीं।

काजोल ने की कृति की तारीफ

ट्रेलर लॉन्च में कृति सेनन और काजोल ने साथ-साथ एंट्री ली। काजोल जहां रेड कलर की ड्रेस में खूब जंचीं, वहीं काजोल ब्लू आउटफिट में नजर आईं। इस फिल्म में कृति सेनन डबल रोल में हैं, वे जुड़वा बहनों की भूमिका अदा करती नजर आएंगी। इवेंट में काजोल ने कृति सेनन की तारीफ करते हुए कहा, कृति बहुत खूबसूरती के साथ आगे बढ़ी हैं। उनके साथ काम करना मजेदार है। मैंने उनके साथ दिलवाले में काम किया है। इस बात को कई साल हो गए। बतौर अभिनेत्री उन्होंने बहुत तरक्की की है। फिल्म दो पत्ती के सेट पर वह बिल्कुल अलग लगीं।

इस दिन होगी रिलीज

टीवी एक्टर शहीर शेख भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। दो पत्ती के जरिए वे फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। काजोल, कृति और शहीर अभिनीत यह फिल्म 25 अक्तूबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

कैंसर से जंग हारे कॉमेडियन अतुल परचुरे

फेमस एक्टर अतुल परचुरे अब हमारे बीच नहीं रहे।अतुल परचुरे का 14 अक्टूबर सोमवार को निधन हो गया। एक्टर 57 की उम्र में कैंसर से जंग हार गए। पिछले साल ही एक्टर को पता चला था कि उन्हें कैंसर है और वो तब से ही अपना इलाज करवा रहे हैं लेकिन उनके साथ कुछ ऐसा हो गया जो किसी के साथ न हो।

उनके लीवर में ट्यूमर था और उन्हें इसका पता चलते ही उन्होंने इलाज करवाना शुरू कर दिया लेकिन शुरुआती प्रक्रिया में ही उनका गलत इलाज हो गया और उनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो गई। अतुल परचुरे की शादी सोनिया परचुरे से हुई है। वो एक फेमस क्लासिकल डांसर हैं। सोनिया परचुरे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की पैनलिस्ट में से एक हैं।

अपनी बेटी आराध्या के लिए ऐसा सोचती हैं ऐश्वर्या राय, बोलीं- वो मेरी दुनिया हैं

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को अक्सर उनकी बेटी आराध्या बच्चन के साथ स्पॉट किया जाता है। ऐश्वर्या अपनी बेटी के बेहद करीब हैं। ऐश्वर्या इन सभी जगहों पर लगभग हमेशा अपनी बेटी के साथ दिखाई पड़ती हैं। दोनों एक साथ एक दूसरे का हाथ पकड़े चलती नजर आती हैं। ऐश्वर्या अपनी बेटी को अपनी दुनिया मानती हैं।

अपनी बेटी के करीब हैं आराध्या

अपनी बेटी आराध्या को लेकर ऐश्वर्या ने कहा कि वह अपनी बेटी को लेकर काफी ज्यादा सोचती हैं। ऐश्वर्या ने कहा, आराध्या ही मेरे लिए सब कुछ हैं। वो ठीक हैं, तो मैं ठीक हूं। ये दुनिया खुशियों से भरी है। वह मेरी दुनिया है और मैं इससे काफी खुश रहती हूं। खुश होते हुए ऐश्वर्या ने कहा, आराध्या, आराध्या, आराध्या।

हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या दुबई के अवॉर्ड शो 2024 में नजर आई थीं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अवॉर्ड शो में मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में अपनी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी आराध्या काफी चर्चा में रही थीं। उन्होंने शिव राज कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था, ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसके बाद प्रशंसकों ने आराध्या के संस्कारों और परवरिश की तारीफ की।

एक बातचीत के दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या से जब कहा गया कि वह सबसे अच्छी बातें सीख रही हैं, क्योंकि वो हमेशा आपके साथ रहती हैं। ऐश्वर्या ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, वो मेरी बेटी है, मेरे साथ ही रहेगी। बता दें कि ऐश्वर्या इस अवॉर्ड शो में अपनी बेटी के साथ पहुंची थीं।

इस दिन से शुरू होगी पंचायत 4 की शूटिंग, सचिव जी के साथ इन लोकप्रिय किरदारों की होगी वापसी

ओटीटी पर सबसे पसंदीदा वेब सीरीज में से एक पंचायत, इस साल की शुरुआत में अपने तीसरे सीजन के साथ लौटा. फुलेरा में सेट शो के तीनों सीजन ब्लॉकबस्टर हुए थे.

सीरीज एक इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अभिषेक के जीवन के इर्द-गिर्द घूमता है, जो बेहतर नौकरी के अवसर की कमी के कारण उत्तर प्रदेश के फुलेरा नामक एक दूरदराज के गांव में एक पंचायत कार्यालय में सचिव के रूप में नौकरी करता है. अब चौथे सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है.

रिपोर्ट की मानें तो, पंचायत के चौथे सीजन की शूटिंग 25 अक्टूबर से शुरू होगी. रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि यह शो अपने लोकप्रिय किरदारों के साथ वापस आएगा, जिनमें जितेंद्र कुमार (अभिषेक त्रिपाठी उर्फ सचिव जी), रघुबीर यादव (बृज भूषण दुबे उर्फ प्रधान पति), नीना गुप्ता (मंजू देवी), फैसल मलिक (प्रह्लाद), चंदन रॉय (विकास शुक्ला), सांविका (रिंकी), दुर्गेश कुमार (भूषण), अशोक पाठक (बिनोद), सुनीता रजवार (क्रांति देवी) और धोखेबाज विधायक का किरदार निभाने वाले पंकज झा शामिल हैं.

इसके अलावा सीजन 3 में एक सीन में सांसद की भूमिका में नजर आए स्वानंद किरकिरे की भी इस बार अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं.

रिपोर्ट में आगे कहा गया, निर्माता पंचायत सीरीज को दर्शकों को सुपर एंटरटेनिंग बनाने वाले हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि नए सीजन से दर्शकों को काफी उम्मीदें है.

प्रदेश के अराजक तत्व को कड़ी सजा मिलेगी: कलराज मिश्र

नोएडा (चेतना मंच)। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र मंगलवार शाम सेक्टर-22 स्थित चौड़ा रघुनाथपुर में

राजेंद्र पंडित के निवास स्थान पर पहुंचे। उन्होंने यहां जिले के प्रमुख ब्राह्मण प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बहराइच समेत प्रदेश के कई जिलों में हिंसा की घटना सामने आई थी। प्रदेश में अराजक तत्व लंबे समय से प्रदेश का माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने समाज के लोगों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार बहुत जल्दी कड़ी कार्रवाई कर दोषियों को सजा दिलाने का काम करेगी। वहीं सबल ब्राह्मणों को कमजोर ब्राह्मणों के उत्थान को कारगर एवं बड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के लोग बेहद कठिनाइयों के दौर से गुजर रहे हैं और सबल ब्राह्मण उनकी अनदेखी कर रहे हैं। समाज के सभी लोगों को वर्तमान हालात को देखते हुए एकजुट होने की बेहद आवश्यकता है।

श्री मिश्र ने देश-प्रदेश एवं ब्राह्मण समाज के लोगों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ लोग सनातन धर्म के दुश्मन बने हुए हैं। उनके टारगेट पर सर्वप्रथम ब्राह्मण समाज के लोग ही हैं। ऐसे लोगों से निपटने के लिए ब्राह्मण समाज के लोगों को बड़े पैमाने पर एकजुट होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दशकों से हमारे वर्ग के लोग लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। ब्राह्मण वर्ग के सरकारी हक छिनते जा रहे है, इन ब्राह्मणों की समस्या विकराल होती जा रही है। उन्होंने कहा की सरकार से सामंजस्य बनाकर हमें अपनी आवाज को तेजी से बुलंद करना होगा।

ब्राह्मण सम्मेलन के दौरान कार्यक्रम के आयोजक राजेंद्र पंडित के अलावा ब्रह्म दत्त शर्मा, रजत शर्मा, ललित शर्मा, पंकज शर्मा, पंडित तेज शर्मा, राजू पंडित, कमल पंडित, अरुण दीक्षित, शैलेंद्र शर्मा, विमल कांत शर्मा, मगन वीर फौजी, सुरेंद्र दरोगाजी, हरवीर सिंह, सविता शर्मा, रानी शर्मा, हिमांशु शर्मा समेत भारी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एमिटी के कांउसलरों से डीसीपी ने किया संवाद

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर 108 में महिला एवं बाल सुरक्षा सेल द्वारा स्थापित पारिवारिक विवाद समाधान क्लिनिक में परामर्श एवं मध्यस्थता कराने वाले एमिटी विश्वविद्यालय के क्षेत्र विशेषज्ञों एंव कांउसलरों से गौतमबुद्धनगर की डीसीपी (महिला एवं बाल सुरक्षा सेल) सुश्री सुनीती और पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर 108 में महिला एवं बाल सुरक्षा सेल की श्रीमती कुसुम सागर ने एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में संवाद किया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंद्योपाध्याय ने डीसीपी सुश्री सुनीती का स्वागत किया।

गौतमबुद्धनगर की डीसीपी (महिला एवं बाल सुरक्षा सेल) सुश्री सुनीती ने संबोधित करते हुए कहा कि पारिवारिक विवाद समाधान क्लिनिक में आप के माध्यम से अगर कुछ परिवार भी टूटने बिखरने से बच जाते है तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। एमिटी विश्वविद्यालय और महिला एवं बाल सुरक्षा सेल के आपसी सहयोग से संचालित किये जा रहे इस क्लिनिक में आप मनोविशषज्ञों, परामर्शदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है क्योकी देखा गया है कि पारिवारिक मामलों में लोग पुलिस से बात करने में हिचकिचाहट महसूस करते है।

पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर 108 में महिला एवं बाल सुरक्षा सेल की श्रीमती कुसुम सागर ने कहा कि हमारा उददेश्य समस्या को पहचान कर उसका सकारात्मक निवारण करना है। हमारे पास घरेलु हिंसा, संपत्ती विवाद, दहेज आदि से लेकर मनमुटाव, अहंभाव आदि कई शिकायते आती है जिसमें आप विशेषज्ञों द्वारा परामर्श या मध्यस्थता के जरीए परिवारों को जोड़ा जाता है और इससे ना केवल पति पत्नी बल्कि उनके बच्चों के भविष्य को बबार्द होने से बचाया जाता है।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय और महिला एवं बाल सुरक्षा प्रकोष्ठ, गौतम बुद्ध नगर के बीच 8 जनवरी, 2024 को घरेलू विवादों के निवारण के लिए डब्ल्यूसीएसयू, पुलिस कमिश्नरेट, सेक्टर-108, गौतम बुद्ध नगर में पारिवारिक विवाद समाधान क्लिनिक (एफडीआरसी) स्थापित करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसके अंर्तगत एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलाइड साइंसेस, एमिटी लॉ स्कूल और एमिटी सेंटर फॉर कांउसलिंग एंड गाइडेंस के विशेषज्ञ, पारिवारिक विवाद समाधान क्लिनिक में परामर्श प्रदान करने एवं मध्यस्थता की सेवायें देतें है।

प्राधिकरण के गेट पर किसानों का धरना जारी

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन मंच का नोएडा प्राधिकरण पर

अनिश्चितकालीन धरना पांचवें दिन भी जारी है। मंगलवार को धरने की अध्यक्षता भंवर सिंह चौहान नंगली वाजिदपुर ने की और मंच का संचालन रिंकू यादव ने किया।

मंच के मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर और एसीपी प्रवीण कुमार किसानों के बीच प्राधिकरण के सीईओ से वार्ता करने का प्रस्ताव लेकर पहुंचे जिसके बाद नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम से वार्ता करने के लिए किसान नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में वार्ता के लिए पहुंचे लेकिन किसानों से वार्ता करने के लिए नोएडा प्राधिकरण के ऐसीईओ संजय खत्री, सतीश पाल, ओएसडी क्रांति शेखर, अरविंद कुमार डीजीएम विजय रावल, आरपी सिंह, एसपी सिंह पहुंचे।

किसानों ने उपरोक्त सभी अधिकारियों से वार्ता करने से मना कर दिया और किसानों ने कहा कि हमें नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम से वार्ता करने के लिए बुलाया गया था अगर वह वार्ता में शामिल नहीं है तो हम वार्ता नहीं करेंगे और सभी किसान नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम से बिना वार्ता के ही धरना स्थल पर वापस लौट आए।

दूसरे दौर की वार्ता का प्रस्ताव लेकर लेकर लगभग 3:30 बजे नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर किसानों के बीच पहुंचे और किसानों से पूर्ण है आग्रह किया कि इस बार आपकी मीटिंग में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेशन और जिला गौतम बुद्ध नगर के कलेक्टर मनीष वर्मा शामिल होंगे और आपके मुद्दों पर चर्चा करेंगे किसान दोबारा नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में पहुंचे और 3:50 पर दोबारा नोएडा प्राधिकरण के (सीईओ) डॉ. लोकेश एम और जिला गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष वर्मा से सभी बिंदुओं पर बारी-बारी से भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने सवाल जवाब किये। और यह मीटिंग लगभग 2 घंटे चली किसानों को अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जिन किसानों के प्लॉट नियोजन विभाग में है और जिन किसानों के कोर्ट से निर्णय आ चुके हैं 10 प्रतिशत के भूखंड या धनराशि देने के यह दोनों कार्य दीपावली से पहले कर दिए जाएंगे।

इस अवसर पर रामे प्रधान, चमन प्रधान, सुधीर चौहान रायपुर, सूरज प्रधान, सुरेंद्र प्रधान प्रमोद त्यागी डीपी चौहान गौतम लोहिया विक्रम यादव सुरेश त्यागी रोहतास चौहान मीडिया प्रभारी अशोक चौहान वीर सिंह टाइगर श्याम सिंह चौहान गजेंद्र बैसोया योगेश भाटी विमल त्यागी आशीष चौहान राहुल पवार सोनू लोहिया नकुल चौहान उदय चौहान फिरे चौहान उमंग शर्मा अमित बैसोया रिंकू यादव सरजीत खड़ी पाल प्रधान ओम अवाना भंवर सिंह चौहान कंवरपाल चौहान अभिषेक चौहान सहित सैकड़ों किसान मीटिंग में शामिल हुए।

मेले में एचसीएल कंपनी देगी रोजगार

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में बेरोजगार युवक-

युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 18 अक्टूबर 2024 को जिला सेवायोजन कार्यालय गौतमबुद्धनगर के तत्वाधान में प्रात: 10 बजे से नर्मदा हाल एचसीएल टेक सेक्टर-126 एस.ई.जेड. नोएडा में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में एचसीएल कंपनी द्वारा वर्ष 2023 एवं 2024 में इंटरमीडिएट पास सीबीएसई बोर्ड में 70 प्रतिशत अंक एवं यूपी बोर्ड में 60 प्रतिशत अंक उत्तीर्ण अभ्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार संबंधी रिक्तियां प्राप्त हुई है। इसी योग्यता के अभ्यार्थी रोजगार मेले में भाग ले सकेंगे।

जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त मेले में प्रतिभाग करने हेतु रोजगार संगम पोर्टल (Rojgar Sangam.up.gov.in) पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण करते हुए रोजगार मेले में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी प्रतिभा के अनुसार कंपनी में साक्षात्कार देकर सेवायोजित होने का अवसर प्राप्त करें।

उन्होंने बताया कि पंजीकरण संबंधी समस्या हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय आर.आई. सेंटर, झुंडपुरा सेक्टर-11 नोएडा गौतमबुद्धनगर में संपर्क कर सकते हैं।

शरद पूर्णिमा पर खीर के साथ मिलेगी दमा रोगियों को दवा

नोएडा (चेतना मंच)। मारवाड़ी युवा मंच, नोएडा अग्रवाल मित्र मंडल, माहेश्वरी समाज, और राजस्थान कल्याण परिषद के सहयोग से कल (17 अक्टूबर), शरद पूर्णिमा के दिन, अग्रसेन भवन, सेक्टर 33, नोएडा में लगातार आठवीं बार सेवा कार्य का आयोजन किया जाएगा।

मारवाड़ी युवा मंच, नोएडा की गिनती क्षेत्र की प्रमुख समाजसेवी संस्थाओं में होती है। इस बार मंच दमा रोगियों के लिए शरद पूर्णिमा के अवसर पर वैद्यनाथ द्वारा तैयार की गई विशेष औषधि का नि:शुल्क वितरण करेगा, जिसे हजारों रोगियों पर आजमाया जा चुका है और इससे दमा के रोगियों को अत्यधिक लाभ होता है।

कार्यक्रम संयोजक मनोज अग्रवाल ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा और पृथ्वी की दूरी न्यूनतम होती है, जिससे चंद्रमा की 16 कलाओं से उत्पन्न अद्भुत किरणों का संपूर्ण सृष्टि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी दिन दी जाने वाली यह औषधि वर्ष में सिर्फ एक बार ही उपलब्ध होती है।

वैद्यनाथ के वैद्यजी के अनुसार, यह औषधि शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में खीर के साथ मिलाकर रोगियों को दी जाती है। पांच साल तक इसका सेवन करने से रोगियों को संपूर्ण लाभ प्राप्त होता है। इस औषधि का सेवन सुबह खाली पेट करना अनिवार्य है।

मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष नीलेश सिंघल ने बताया कि औषधि सेवन के बाद गरिष्ठ भोजन, मांसाहार, तला-भुना, मसालेदार भोजन, नशीले पदार्थ, तंबाकू, सिगरेट, आदि से एक सप्ताह तक परहेज करना आवश्यक है।

संस्था के निवर्तमान अध्यक्ष रामरतन शर्मा ने बताया कि यह औषधि 17 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन प्रात: 4 बजे से 6:0 बजे तक (सूर्योदय से पूर्व) नि:शुल्क वितरित की जाएगी।

एमयूआईटी में राष्ट्रीय विधि महोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के महर्षि सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के परिसर में महर्षि लॉ स्कूल के द्वारा आयोजित महर्षि महेश योगी राष्ट्रीय विधि महोत्सव-2024 का भव्य समापन हुआ। राष्ट्रीय विधि महोत्सव के अंतिम दिन राष्ट्रीय मूट कोर्ट और क्लाइंट काउंसलिंग, जजमेंट राइटिंग, इंटरनेशनल कांफ्रेंस और विधायी प्रारूपण प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। इस आयोजन में देश के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों और विधि महाविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 275 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों, विद्यार्थियों और विभाग के लोगों को अपनी शुभकामनाएं दी।

समापन सत्र की शुरुआत परंपरागत गुरु पूजन के साथ हुई. मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा का कुलपति प्रो. डॉ. भानु प्रताप सिंह ने स्वागत किया।

डीन प्रो. डॉ. केबी अस्थाना ने एमयूआईटी और महर्षि लॉ स्कूल के विकास पर एक प्रस्तुति दी. एमयूआईटी के महानिदेशक प्रो. (ग्रुप कैप्टन) ओपी शर्मा ने जस्टिस सिन्हा का स्वागत किया, विशिष्ट अतिथि अश्विनी कुमार दुबे का डीन-अकादमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने स्वागत किया।

इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के आयोजन का मकसद ऐसा माहौल बनाना रहा जहाँ शोध विद्यार्थी, लॉ संकाय और कानून के विशेषज्ञ, आपस में जुड़ सकें, अवसरों, संभावनाओं पर चर्चा कर सकें और कानूनी क्षेत्र में विकास के बारे में ज्ञान साझा कर आगे बढ़ सकें।

इस अवसर पर डॉ. अमिता राठी, डॉ. कामशाद, डॉ. विकास, डॉ. स्वप्निल, डॉ. ऋतु, मि. अरुण, मि. सुमर, मि. केतन, मिस. प्रभा, मिस. रिया, मिस.सौम्या, मिस. नीलम, तथा लॉ के सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।